

#104

ਲਾ. ਲੇ ੫੦੬੨

ਵਿ. ਲੇ ੨੦੮੨

ਸਮ. ਲੇ

ਕ੍ਰਿ. ਲੇ. ੨੨੮੫-੮੬

विक्रमी सम्वत् २०४२

सप्त० सं० ५०६१

भविष्यवाणी



ई० सं० १८८५-८६

संसार

राजा बृहस्पतिदेवता, मंत्री शनिदेवता,
धान्य के स्वामी सूर्य देवता, सस्य के स्वामी भौमदेवता,
फलों के स्वामी शुक्र देवता, रस के स्वामी बृहस्पति देवता,
धातु के स्वामी भौम देवता, मेघ के स्वामी शनि देवता,
रक्षा के स्वामी शनि देवता धन के स्वामी भौम देवता,
वर्ष का वाहन नौका, वर्ष का नाम बहुधान्य
वसन्त का वाहन गंडा, वर्षा भगवती दौवारिका
(चौकीदारिन), काश्मीर वर्ष लग्न कर्क,
भारत स्वतंत्र वर्ष लग्नमकर, अपाढ़ नवमी गुरुवार को
सम्वत् विक्रमी २०४२, सप्तर्षि सम्वत् ५०६१।
ईसवी १९८५-८६

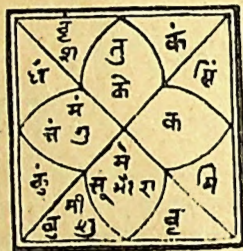
ज्योतिष फलित में बृहस्पति शुभग्रहों में विशेष प्रभावशाली ग्रह माना जाता है। ऐसे ही क्रूर ग्रहों में भी शनि महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है, इस वर्ष इन्हीं दो प्रभावशाली ग्रहों ने क्रमशः राजपद तथा मंत्रीपद को संभाला है। यह दोनों ग्रह परस्पर विरुद्ध स्वभाव के हैं, जहां बृहस्पति शान्तिप्रिय देवता है वहां शनि अशान्ति का प्रतीक है, जहां बृहस्पति इस वर्ष विश्वशान्ति की चेतावनी देता है, वहां शनि उसके विपरीत विदेश अशान्ति को सूचित करता है, एक ओर से बृहस्पति के प्रभाव से शान्तिप्रिय देश विश्वशान्ति बनाये रखने में प्रयत्नशील रहेंगे दूसरी ओर कई इच्छुक देश नवीनतम अस्त्रशस्त्रों की होड़ में लगे रहने से संसार के शान्तावरण को नष्टभ्रष्ट करने पर कटिबद्ध रहेंगे, सारांश यही है, यह वर्ष राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से संसार के लिए डांवाडोल स्थिति का होगा, बृहस्पति के प्रभाव से यद्यपि इस वर्ष सार्वभौम युद्ध का योग नहीं है, परन्तु जिन जो पश्चिम दिशा का स्वामी है जिसने इस वर्ष दस अधिकारों में से तीन महत्त्वपूर्ण अधिकार (1) मंत्री, (2) रक्षा, (3) तथा मेघ अपने हाथ में लिये हैं, जिसके

फलस्वरूप पश्चिम एशिया विशेष-
तया मुस्लिम देश ईरान, इराक,
तुर्की, लेबनान, सीरिया और फिल-
स्तीन आदि अरब देश अधिक
प्रभावित होंगे, मुस्लिम देशों में
आपसी टकराव अथवा युद्ध से
असंख्य धन जन का नाश होगा।
पूर्व खून से रंगी जायेगी, जनता
में हिंसा की भावना में वृद्धि होगी,
देवी उत्पात, स्थलीय, जलीय तथा
आकाशीय उत्पात होते रहेंगे, जगत्
लग्न की ग्रहस्थिति को दृष्टि में

रखते हुए यही प्रतीत होता है, इस वषं सभी देश किसी न किसी
उल्लंघन में उलझे रहेंगे, हर ओर अशान्ति का वातावरण बना रहेगा,
परन्तु सार्वभौम युद्ध का कोई योग नहीं है ॥



२०४२ वि. जगत्लग्न



(भारत)

श्री राजीव गांधी—

श्री सजीव गांधी जिस समय
नेता चुने गये उस समय ग्रहों की
स्थिति कैसी थी और उन ग्रहों का
प्रभाव भारत के प्रधानमंत्री श्री
राजीव गांधी पर कैसा होगा
ज्योतिष कलिन के आधार से निम्न-
लिखित है—

सूर्य, चन्द्र, बुध, वृहस्पति और
शुक्र यह सभी ग्रह हृषित-अवस्था
में थे, यानी ग्रह सभी ग्रह खुशियां
मना रहे थे, ऐसे ही सूर्य आदि ग्रह क्रमशः केन्द्र त्रिकोण तथा ग्यारहवें
भाव में ठहरे थे, यह शुभयोग प्रधानमंत्री राजीव गांधी तथा भारत के
लिए शुभ संदेश है, इस शुभयोग के प्रभाव से राजनैतिक क्षेत्र में भारत
का नया दौर आरम्भ होगा, भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा, देश में
स्वच्छ और मुद्द प्रशासन लागू करने, जनता के जीवन स्तर को ऊंचा
उठाने तथा देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने में सरकार
प्रयत्नशील रहेगी, सातवीं पंचवर्षीय योजना श्री राजीव गांधी के हाथों
से ही लक्ष्य तक पहुंचेगी, पंजाब संकट की जटिल समस्या बहुत हद
तक हल होगी, जिससे जनता को शान्ति का सांस लेने का अवसर
मिलेगा, देश के हर विभाग को योजनाबद्ध ढंग से तेजी और ईमान-



[भारत]

दारी से चलाने में सरकार की नीति सुदृढ़ होगी, भापाई साम्प्रदायिक तथा प्रदेशों की समस्याएं हल करने में सरकार की नीति सख्त से सख्त होगी, विजली पानी आदि की दशा को सुचारु तथा सुयोग्य बनाने के निमित्त नये-नये प्रोजेक्ट चालू किये जायेंगे, घरेलू उद्योग धन्धों को बढ़ावा देने के ओर सरकार विशेष ध्यान देगी, रुके हुए अथवा बन्द पड़े छोटे-बड़े कारखानों को फिर से चालू करने के लिए सरकार कर्ज आदि देने की स्कीमों को आसान तथा सुलभ बनायेगी, हर प्रदेश के साथ सरकार का तालमेल बना रहेगा, भीम बारहवां होने से आर्थिक संकट से कई प्रोजेक्ट अथवा कई स्कीमों तेजी से चालू करने में बाधा पड़ेगी, परन्तु अन्त में सामूहिक रूप से आर्थिक संकट पर काबू पाने में सरकार सफल रहेगी।

इस वर्ष जहाँ बृहस्पति अनुकूल है वहाँ दूसरी ओर शनि का मंत्री होना ज्योतिषफलित से हानिकारक माना जाता है, इस अशुभ योग के प्रभाव ने प्रधानमंत्री को एक क्षण मात्र भी शान्ति का सांस लेने का अवसर नहीं मिलेगा, वर्तमान सरकार के लिए यह वर्ष अग्नि-परीक्षा का है, सीमा झगड़ों की अधिकता होगी, पाकिस्तान के सम्बन्ध बनने बिगड़ने रहेंगे, कश्मीर की राजनैतिक समस्याएं समाप्त करनी सरकार के लिए अशान्ति का कारण बनेगी, दैवीय दुर्घटनाएं, वायुयान, रेल तथा ट्रांसपोर्ट आदि की दुर्घटनाएं नित्य-प्रति सुनने में आयेंगी, हथियारों की दौड़ को रोकने के बड़े-बड़े सम्मेलन होने पर भी

भारत जैसा—शान्ति प्रिय देश भी हथियारों का संचय करने में लगा रहेगा, वर्तमान सरकार की विदेशनीति में यद्यपि कोई तबदीली होगी नहीं भी, नो भी मुस्लिम देशों के सम्बन्ध में ढील आयेगी, पश्चिमी देशों की अनेका पूर्वीय तथा उत्तरीय देशों की ओर भारत का झुकाव अधिक होगा, खाद्य पदार्थों की उपज में निश्चित किये हुए लक्ष्य में किसी प्रकार की कमी नहीं होगी, वर्षा की वेदुंगी चाल में अन्न का बहुत सा भाग नष्ट होने पर भी सामूहिक रूप से अन्न का उत्पादन सन्तोषजनक होगा।

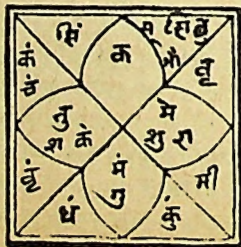
पाकिस्तान

जुलाई के अन्त तक शनि वक्र गति में चलेगा, जून मास के आरम्भ में वक्री होकर तुलाराशि में आयेगा, यह योग पाकिस्तान के लिए जिसकी प्रभावित राशि कन्या है बहुत ही हानिकारक है, वर्ष के आरम्भ के चार मासों में पाकिस्तान में घन-जन का नाश होगा, अप्रैल मई, जून, जुलाई, अगस्त में पाकिस्तान सरकार तथा जनता को भयंकर दुर्घटनाओं से दुःखार होगा, सितम्बर में शनि फिर से वृश्चिक राशि में आयेगा, जिसके फलस्वरूप सितम्बर से पाकिस्तान सरकार तथा जनता को शान्ति का सांस लेने का अवसर मिलेगा, भारत के साथ सम्बन्ध बनने बिगड़ते रहेंगे।

काश्मीर

जगत्, लग्न तथा काश्मीर वर्ष लग्न ग्रहचाल को दृष्टि में रख कर ज्योतिष फलित के आधार से विदित होता है कि वर्तमान सरकार तथा विरोधी गुप का आपसी टकराव काश्मीर के वातावरण को नष्ट कर देगा, नित्य प्रति दंगेफसाद, हुल्लड़बाजी, गुंडागर्दी, भयंकर दुर्घटनायें होने से जनता में अविश्वास तथा अशान्ति होगी, वर्तमान सरकार की डगमगाती दशा को देखकर केन्द्रीय सरकार के हस्ताक्षेप से राजनैतिक क्षेत्र में ऐमा परिवर्तन होगा जिससे काश्मीर के भाग्य का नया दौर आरम्भ होगा।

धान्य का स्वामी सूर्य २०४२ काश्मीर वर्ष चक्र का होना यद्यपि धान्य के उपज के लिए हानिकारक योग है फिर भी आद्रा प्रवेश लग्न में सूर्य का पहले भाव में होना उत्तम माना गया है, इस मिले-जुले योग के प्रभाव से वर्ष के प्रारम्भ पर धान्य के काष्ठ में मौसमी हालात अनुकूल नहीं होंगे, वर्षभर पानी की कमी रहेगी जिससे किसान भी परेशान रहेंगे, श्रावण तथा भाद्र में बाढ़ की संभा-



वना है, आश्विन तथा कार्तिक मास में मौसमी हालात अनुकूल रहने से सामूहिक रूप से अन्त में धान्य की उपज सन्तोषजनक ही होगी—

सस्य के स्वामी भोम देवता होने से सस्य सम्बन्धित किया हुआ किसानों का परिश्रम निष्फल होगा।

फलों के स्वामी शुक्र देवता होने से फलों की अधिकता होगी, रस के स्वामी बृहस्पति होने से फल रस से पूर्ण होंगे, फलों की अधिकता होने पर भी भाव स्थाई न रहने से व्यापारी वर्ग परेशान रहेगा, उनको इच्छानुसार लाभ नहीं होगा, खुशक मेवा, अख-रोट, बादाम आदि की अधिकता होगी भाव में दिनोंदिन उछाला आता रहेगा, खुशक फलों के व्यापारी लाभ में रहेंगे।

वर्ष के आरम्भ के चार मास तक फलों की खरीद फरोस्त करने वाले लाभ में, मध्य के चार मासों में क्रय-विक्रय करने वाले घाटे में, और अन्तिम चार मासों में लेनदेन करने वाले व्यापारी लाभ में ही रहेंगे।

शुक्र देवता सुगन्धिन वस्तुओं के भी स्वामी माने गये हैं, इसलिए केसर की काष्ठ करने वाले लाभ में रहेंगे और केसर की बहुतायत होगी।

वर्षा के स्वामी शनि देवता होने से वर्षा की बेढंगी चाल रहेगी, सामूहिक रूप से वर्ष भर वर्षा की कमी रहेगी परन्तु जब भी वर्षा होगी तो वर्षा भयंकर रूप धारण करेगी, श्रावण अथवा भाद्र मास में बाढ़ का भी अन्देश है।

धन के स्वामी भौम देवता काश्मीर वर्ष लग्न में भौम की स्थिति अच्छी नहीं है, राजनैतिक उथल-पुथल से व्यापारी वर्ग का ब्योपार डाँवाडोल स्थिति में ही रहेगा। पर्यटकों के यातायात में रुकावट का पड़ना काश्मीर के ब्योपार को पछाड़ देगा, कारखाने, फैक्टरी तथा तामीरी कामों से सम्बन्धित कारखानेदार, फैक्टरियों के मालिक तथा मजदूर वर्ग इस वर्ष लाभ में रहेगा, घूस तथा चोरबाजारी में खुली छूट देखने में आयेगी जो सर्वसाधारण जनता के लिए बेचैनी तथा परेशानी का कारण बनेगी।

रक्षामंत्री शनि देवता होने से दंगे-फसाद अफरातफरी और क्लृप्तइबाजी की घटनाएं प्रायः होती रहेंगी सरकार काश्मीर के वातावरण को शान्त बनाये रखने में बेबस रहेगी।

वर्ष का नाम बहुधान्य इस नाम का अर्थ ही है, धान्य का अधिक होना, इस योग से काश्मीर में ही क्या सामूहिक रूप से अखिल भारत में धान्य की पैदावार सन्तोषजनक होगी।

वर्ष का वाहन "नौका" नौका प्रायः डाँवाडोल स्थिति में

रहती है, इसलिए यह बात आवश्यक है कि काश्मीर के अनुशासन की स्थिति डाँवाडोल रहेगी जिसके फलस्वरूप जनता में विश्वास की कमी तथा मानसिक अशान्ति रहेगी।

वर्षा भगवती दीवारिका (चोकीदारिन) गरीब जनता मजदूर वर्ग के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने की ओर सरकार की प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

(सम्पादक)

ग्रामदनी खर्च

राशि	मेघ	वय	मियून	ककं	सिंह	कन्या
आय	11	5	11	5	8	11
व्यय	5	14	11	8	5	11
राशि	तुला	वृश्चि	धनु	मक.	कुम्भ	मीन
आय	5	11	8	2	2	8
व्यय	14	5	11	14	14	11

सप्त० सं० ५०६१। वि० सं० २०४२। चैत्र शुक्लपक्ष। मीन में सूर्य, बुध,

शुक्र। मेष में भौम, राहु। मकर में बृहस्पति, वृश्चिक में शनि, तुला में केतु। (वसन्त ऋतु) (१९ मार्च १९५०)

राघं चैत्र हि माघं वार नक्षत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल

ग्रहमंचार वजे घोर मिट्टों में

१४	५४	६	२६	२२	शुक्र	उमा	दि	१५	२६	प्र	प्र	३	५	नवरात्र आरम्भ। नवरेह। ध्वजः।
	५१	१०	३०	२३	शनि	रेव	दि	२१	५४	द्वि	प्र	८	१३	३-१४ दिन मेष में चन्द्र घोर पंचक समाप्त। ८-३५ दिन से ६-५०
	४८	११	३१	२४	रवि	घा	दि	२८	१७	तृ	प्र	१३	६	आनन्दः।
	४५	१२	२	२५	मोम	मर	प्र	३	३८	च	प्र	१७	२५	२-३७ रात बुध में चन्द्र। चरः। रात तक गण्डान्त। प्रजापत्यः।
	४३	१३	३	२६	मोम	कृ	प्र	८	३७	पं	प्र	२०	४८	मुसलम्।
	४०	१४	४	२७	बुध	रो	प्र	१२	३१	ष	प्र	२२	५८	कुमार पछी व्रत। शुलम्।
	३७	१५	५	२८	गुरु	मृ	प्र	१५	१६	स	प्र	२३	५८	१२-१४ दिन मिथुन में चन्द्र। मृत्युः।
	३५	१६	६	२९	शुक्र	आ	प्र	१७	४	अ	प्र	२४	३	दुर्गाष्टमी। काम्यः। * शिवा भगवती जयन्ती। छत्रम्।
	३२	१७	७	३०	शनि	पुन	प्र	१६	५६	न	प्र	२२	७	रामनवमी। बुध अस्त, ७-२५ शां कर्क में चन्द्र। उमाजयन्ती * ११-० दिन शुक्र अस्त। श्रीवत्सः।
	३०	१८	८	३१	रवि	ति	प्र	१६	०	द	प्र	१६	२५	१२-१६ रात सिंह में चन्द्र। ६-३१ शां से गण्डान्त। कामवा ११। ० ध्वांक्षः।
	२७	१९	९	२	मोम	म	प्र	१४	१	ए	प्र	१५	३५	६-६ प्रातः तक गण्डान्त। कालदण्डः।
	२४	२०	१०	३	बुध	पू	प्र	११	१५	हा	प्र	११	३	३-२५ रात कन्या में चन्द्र। महावीर जयन्ती। स्थिरः।
	२२	२१	११	४	गुरु	उ	प्र	४	३	चं	प्र	०	१०	मातंगः।
	१९	२२	१२	५	शुक्र	ह	प्र	०	१५	पं	दि	२५	३७	अनृतम्।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से पूर्णिमा तक अपने ही दिन।

शुक्र - अस्त ३१ मार्च

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पूर्णिमा तक अपने ही दिन।

यात्रा मुहूर्त :- २२ मार्च पूर्व उत्तर यात्रा। २३ मार्च उ० पश्चिम यात्रा। २४ मार्च पूर्व उत्तर यात्रा। २७ मार्च उत्तर विना
२८ पूर्व पश्चिम। ३० पूर्व विना। ३१ मार्च पूर्व उ०। ३ अप्रैल उ० विना। ४ अप्रैल पूर्व पश्चिम। ५ अप्रैल पश्चिम विनायात्रा।

वि० सं० २०४२ । वैशाख कृष्णपक्ष । मीन में सूर्य, बुध, शुक्र । मेष में

शुक्र भीम, राहु । मकर में बृहस्पति । तुला में केतु * मंगलेश्वर जयन्ती । वेनाल पण्डी ऋषिपीर आद्र । ज्वाभः । वृश्चिक में शनि

राघ चैत्र रज मंग्रल वार नक्षत्र डघो पल तिथि घडो पल 6 प्रप्रेल मे 20 अप्रेल तक (दसन्त ऋतु) उत्तरायण

शुक्र	१४	२४	१४	6	शनि	वि	दि	२७	१६	प्र	दि	१६	१२	५-५७ प्रातः तुला में चन्द्र । बुध उदय । ४-४० प्रातः शुक्र उदय । काण्डः ।
उवय	११	२५	१५	7	रवि	स्वा	दि	२३	२४	द्वि	दि	१३	२२	मलापक ।
	६	२६	१६	8	सोम	वि	दि	१६	५०	तु	दि	८	२१	८-२५ दिन वृश्चिक में चन्द्र । मंकट चतुर्थी । मेषम् ।
	६	२७	१७	9	मोम	अनू	दि	१६	५०	च	दि	३	२१	गङ्गा । दिन कम । श्री पंचमी । वज्रम् ।
	३	२८	१८	10	बुध	ज्ये	दि	१४	३१	ष	प्र	२३	३२	११-५५ दिन धनु में चन्द्र ग्रो मूल आरम्भ । ६-७ प्रातः मे गण्डान्त *
	१	२९	१९	11	गुरु	मू	दि	१३	३	स	प्र	२०	५५	११-१६ दिन तक मूल । धोम्यः । * ५-४३ दिन तक । *
	५८	३०	२०	12	शुक्र	पू०	दि	१३	४०	अ	प्र	१६	३२	५-६ दिन मकर में चन्द्र । ६ वजे रात मे मामान्त । प्रवचः । अण-
संक्रान्ति	५५	२१	२१	13	शनि	उ०	दि	१३	२८	न	प्र	१६	१८	६-० रात से मेष में सूर्य मूहर्न ३० किनारी वैशाखी संक्रान्ति वत ।
	५३	२	२२	14	रवि	अ	दि	१५	३६	द	प्र	२०	३२	१२-४८ रात कुम्भ में चन्द्र ग्रो पंचक आरम्भ । मुसलम्
	५०	३	२३	15	सोम	घं	दि	१८	४५	ए	प्र	२३	२	चन्द्र मास, वरुथिनी एकादशी । शूलम् । (निशात)
वृष	४८	४	२४	16	मोम	श	दि	२३	११	द्वा	प्र	२६	१	२-२५ दिन वृष में भीम । मृत्युः । स्वामी लक्ष्मण जो जन्मोत्सव
मीम	४५	५	२५	17	बुध	पू०	दि	२६	५४	त्री	प्र	२७	३०	१०-५४ दिन मीन में चन्द्र । दिन अधिक । त्रिस्पृक् । काम्यः ।
	४३	६	२६	18	गुरु	उम	प्र	२	३	त्री	दि	३	१२	छत्रम् । * गण्डान्त । ६-१४ दिन से चन्द्र अस्त । वल्लमाचार्यः
	४०	७	२७	19	शुक्र	रे	प्र	८	५	चं	दि	८	७	१०-१५ रात मेष में चन्द्रग्रो पंचक समाप्त । ३-४६ दिन से
	३८	८	२८	20	शनि	अ	प्र	१४	५०	अं	दि	१३	१३	५-२ प्रातः तक गण्डान्त । सोम्यः । * जयन्ती । मेषम् ।

लक्ष्मीनारायण यम बुधमकर

आद्र :- प्रतिपद् में चतुर्थी तक पहले दिन । पण्डी से त्रयोदशी तक अपने दिन चतुर्दशी से अमावसी तक पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् द्वितीया अपने दिन । तृतीया चतुर्थी पहले दिन । पण्डी से त्रयोदशी तक अपने दिन, चतुर्दशी अमावसी पहले दिन

यात्रा मुहूर्त :- ८ अप्रेल पू० बिना यात्रा २-५ दिन से । १० उ० बिना । ११, पू० पश्चिम । १२, पश्चिम बिना । १४, पू० उत्तर १५, उ० पश्चिम । १६, पूर्व यात्रा । १७, पू० पश्चिम । १८ अप्रेल पूर्व पश्चि यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१। वि० सं० २०४२। वैशाख शुक्लपक्ष। मेष में सूर्य,

राहु। बुध में भौम। मोन में बुध, शक्र। मकर में बृहस्पति, वृश्चिक में शनि, तुला में केतु।

वसन्त ऋतु

राष्ट्रवैशा हि अश्वि वार नक्षत्र घड़ी पल तित्ति घड़ी पल (२१ अप्रैल से ४ मई) ग्रहचार बजे प्रौर मिन्टों में

३६	६	२२	२१	रवि	मर प्र	२० ४५	प्र दि	१८ ५	राष्ट्रीय वैशाख पारम्भ। कालदण्डः।
३४	१०	२१	२०	शनि	कृ प्र	२६ ४५	द्वि दि	२२ १७	६-५२ दिन बुध में चन्द्र। परशुराम जयन्ती। स्थिरः। शावान।
३१	११	२	२३	मोम	रो प्र	२७ २	तृ दि	२५ ३६	अश्वि तृतीया। कोठियार यात्रा। मार्तण्डः।
२६	१२	३	२४	बुध	रो दि	२ ५५	च दि	२७ ५१	७-४८ रात मियुन में चन्द्र। शुक्लम्।
२७	१३	४	२५	गुरु	मृ दि	६ ४	पं दि	२८ ५४	श्री शंकराचार्य जयन्ती। मूरदाम जयन्ती। कुमार पण्डी व्रत। मृत्युः।
२५	१४	५	२६	शुक्र	मृ दि	७ ४७	ष दि	२८ २६	३ १४ रात कर्क में चन्द्र। रामानुजाचार्य जयन्ती। काम्यः।
२३	१५	६	२७	शनि	पुन दि	८ २२	स दि	२६ ५४	गंगा जयन्ती। छत्रम्। जयन्ती। श्रीवत्सः।
२१	१६	७	२८	रवि	ति दि	७ ४५	अ दि	२४ ११	५-४३ प्रातः अगस्त्य अस्त। २-३३ रात से गण्डान्त। छत्रपति शिवाजी
१६	१७	८	२९	सोम	मृ दि	६ १०	न दि	२० २८	८-१८ दिन सिंह में चन्द्र। ३ २५ दिन तक गण्डान्त। सीम्यः।
१७	१८	९	३०	मोम	म दि	३ ४१	व दि	१५ ५८	कालदण्डः।
१४	१९	१०	३१	बुध	पू दि	० ३५	ए दि	१० ४७	स्थिरः।
१२	२०	११	२	गुरु	ह प	२० १	द्वि दि	५ ६	११-४० दिन कन्या में चन्द्र। नारद एकादशी। दुमदवल यात्रा।
१०	२१	१२	३	शुक्र	वि प्र	१५ १३	चं प्र	१६ ३२	५-५४ दिन कम। क्षयः।
८	२२	१३	४	शनि	स्वा प्र	११ २	पू प्र	१३ १२	२-६ दिन तुला में चन्द्र। गणेश चतुर्दशी, गणपतियार यात्रा, गजः।
									श्री बुध जयन्ती। चन्द्र ग्रहण। सिद्धः।

श्राद्ध :- प्रतिपद से द्वादशी तकः पहले दिन चतुर्दशी से पूर्णिमा तक अपने दिन।

साध्याह्न :- प्रतिपद पहले दिन द्वितीया से दशमी तक अपने दिन। एकादशी, द्वादशी पहले दिन अश्विचतुर्दशी पूर्णिमा अपने दिन।

यात्रा मुहूर्त :- २३ अप्रैल पूर्व दक्षिण यात्रा। २४, उत्तर विना। २५, पूर्व पश्चिम। २६, पश्चिम विना। २७ पू० विना। २८ पू० उ० यात्रा ९ बजे दिन तक। १ मई उ० विना। २ मई पू० पश्चिम यात्रा।

वि० सं० २०४२ । ज्येष्ठ कृष्णपक्ष । मेष में सूर्य, राहु । वृष में शनि ।

मीन में बुध, शुक्र । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । तुला में केतु । (ग्रहसंचार वजे और मित्रों में)

राघो वैशाख रज मई वार नक्षत्र डघो पल तिथि घड़ी पल 5 मई से 19 मई तक (वसन्त ऋतु) उत्तरायण

१३

६ २३ १४ 5 रवि वि प्र ७ १७ प्र प्र ७ ४८ नारद जयंती । ४-३२ दिन वृश्चिक में चन्द्र । उन्मूलम् ।

४ २४ १५ 6 सोम मनु प्र ४ २ द्वि प्र २ ३८ मानसम् ।

मेष
वृष

२ २५ १६ 7 मोम ज्ये प्र १ १६ तृ दि ३२ ६ ७-५३ शां घनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । २-८ दिन से गण्डान्त ★

० २६ १७ 8 बुध मू दि ३३ ४५ च दि २८ ३० हवजः । ११-१२-शां तक मूल ।

१२

५७ २७ १८ 9 गुरु पू० दि ३३ ६ पं दि २५ ५५ १२-५३ रात मकर में चन्द्र । प्रयापत्यः ।

५८ २८ १९ 10 शुक्र उ० दि ३३ ३५ ष दि २४ २६ आनन्दः । ● किनारी, संक्रांति व्रत काण्डः ।

५९ २९ २० 11 शनि श्र प्र १ ५ स दि २४ १६ ८-२ दिन से कृत्तिका में सूर्य । स्थिरः ।

५१ ३० २१ 12 रवि घं प्र ४ १ अ दि २५ २७ ८-२० दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । मार्तण्डः ।

४७ ३१ २२ 13 सोम श प्र ८ ४ न दि २७ ४१ ७-११ शां से मासान्त । धमनम् ।

संक्रान्ति

४७ ज्ये २३ 14 मोम पूम प्र १२ ५६ व दि ३१ ५ १२-३५ दिन मीन में चन्द्र । ७-११ शां वृष में सूर्य मुहूर्त १५ ●

४५ २ २४ 15 बुध उम प्र १६ ३६ ए प्र ० ४६ मद्रहाली जयंती । वृष मास । रथा ११ । प्रलापकः ।

४३ ३ २५ 16 गुरु रे प्र २५ ३६ द्वा प्र ५ ३७ १०-५७ रात से गण्डान्त । मंत्रम् । गण्डान्त । श्रीवत्सः ।

४० ४ २६ 17 शुक्र रे दि ० ३ त्री प्र १० २४ ५-३६ आतः मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । १२-१५ दिन तक

३८ ५ २७ 18 शनि प्र दि ६ ३ चं प्र १५ २४ सोम्यः । कालदण्डः ।

३६ ६ २८ 19 रवि मर दि १२ ३६ अ प्र १६ २६ ५-१० शां वृष में चन्द्र । हरीश्वर यात्रा, खुनुमुह तथा सुम्बलयात्रा

श्राद्ध :- प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन । चतुर्थी से दशमी तक पहले दिन एकादशी से प्रमावसी तक अपने दिन ।

मध्यराह्न :- प्रतिपद् से प्रमावसी तक अपने दिन । १-४० रात तक । संकट चतुर्थी । १२-५५ दिन मेष में बुध । मुदग्गम्

यात्रा मुहूर्त :- ६ मई पूर्व विना यात्रा । ७, पूर्व दक्षिण । ८, उ० विना । ९, पू० पश्चिम । १०, पश्चिम विना । ११, पू० विना । १२, पू० उत्तर ८-२० दिन तक । १३, उ० पश्चिम । १४, पूर्व पश्चिम । १६, पू० पश्चिम । १७, पू० उत्तर । १८, पूर्व विना यात्रा

वृषावित्री चतुर्था

ई० सं 1985 । ज्येष्ठ शुक्लपक्ष । वृष में सूर्य, भौम । मेष में बुध ।

मीन में शुक्र । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । तुला में केतु । मेष में राहु ।

राघ ज्येष्ठ द्विज मई वार नक्षत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल

(२० मई से ३० जून तक ग्रीष्म ऋतु)

१२	३४	७	२६	२०	सोम	कु	दि	१८	२	प्र	प्र	२२	४६	५-८ दिन बुध पक्ष । स्मरणः ।
	३३	८	३०	२१	भौम	रो	दि	२२	२८	द्वि	प्र	२४	४५	३-१५ रात मिथुन में चन्द्र । चन्द्रदर्शन । मार्तण्डः ।
	३३	९	१	२२	बुध	मृ	दि	२५	४६	तृ	प्र	२५	६	दिन अधिक । रोजा आरम्भ । अमृतम् ।
	३२	१०	२	२३	गुरु	आ	दि	२७	५२	तृ	दि	०	३३	काण्डः ।
	३१	११	३	२४	शुक्र	पुं	दि	२८	४	च	दि	०	१२	१०-१६ दिन कर्क में चन्द्र । पर्वः । अलापकः । १ मंत्रम् ।
	३०	१२	४	२५	शनि	ति	दि	२८	१६	ष	प्र	२०	५०	५-३१ दिन रोहिणी में सूर्य । १-४६ दिन वृष में बुध । कुमार पठा १
	२९	१३	५	२६	रवि	मृ	दि	२६	५३	स	प्र	१७	२	४-१६ दिन सिंह में चन्द्र । भौम अस्ते । १०-२५ दिन में गण्डान्त ॥
	२८	१४	६	२७	सोम	म	दि	२४	३५	अ	प्र	१२	२६	ज्येष्ठ अष्टमी, क्षीरभवानी यात्रा । ध्वाक्षः ।
	२७	१५	७	२८	भौम	पू	दि	२१	३४	न	प्र	७	११	५-४४ रात कन्या में चन्द्र । घोषः १०-०० रात तक । वज्रम् ।
	२७	१६	८	२९	बुध	उ	दि	१८	८	द	प्र	१	२३	प्रवर्धः ।
वृष बुध	२६	१७	९	३०	गुरु	ह	दि	१४	४	ए	दि	३०	३१	१०-१७ रात तुला में चन्द्र । ८-५५ रात मिथुन में भौम निर्जला ११+
	२५	१८	१०	३१	शुक्र	वि	दि	१०	३६	द्वा	दि	२४	२७	५-५१ रात तुला में वकी शनि । ५-५८ रातः मेष में शुक्र । गजाः ।
	२४	१९	११	३२	शनि	स्वा	दि	५	५६	त्री	दि	१८	२८	१२-४२ रात वृश्चिक में चन्द्र । मिहः ।
	२३	२०	१२	३	रवि	वि	दि	२	७	चं	दि	१२	४७	उन्मूलम् । * १०-१६ रात से गण्डान्त
	२२	२१	१३	४	सोम	ज्ये	प्र	२०	५५	पं	दि	७	३५	३-५३ रात धनु में चन्द्र और मून आरम्भ । हनुमान्नी जयंती । काम्यः *

आह :- २० से २२ मई तक अपने दिन । २४, पहले दिन । २५ से ३० तक अपने दिन । ३१ से ३ जून तक पहले दिन

मध्याह्न :- २० से २३ तक अपने दिन । २४, पहले दिन । २५ से १ जून तक अपने दिन । २, ३ जून महले दिन

यात्रा मुहूर्त :- २० मई पूर्व विना १२-४३ दिन से । २१, पूर्व दक्षिण । २२, उ० विना यात्रा । २४, पश्चिम विना । २५ पू० विना । २८, पूर्व दक्षिण । २९, उत्तर विना । ३०, पू० पश्चिम ३ जून पू० विना यात्रा ।

वि० सं० २०४२ । आषाढ कृष्णपक्ष । वृष में सूर्य, बुध । मिथुन में भौम ।

मकर में गृहस्पति, मेघ में शुक्र, राहु । तुला में वकी शनि केतु ।

(ग्रहसंचार ब्रजे श्री मित्रों में)

राघ ज्ये. रमजून वार नक्षत्र ढही पल तिथि घड़ी पल (ग्रीष्म ऋतु) उत्तरायण * चन्द्र । प्रभुतेम् ।

२१	२२	१४	४	मौम	मू	प्र	१७	२२	प्र	दि	३	०	६-३८ दिन तक गण्डान्त । उपहः । श्री गुरु हरगोविन्द जयंती । वज्रम् ।
२१	२३	१५	५	बुध	पू०	प्र	१७	५३	तु	प्र	२२	५२	श्रीवत्सः ।
२०	२४	१६	६	गुरु	उ०	प्र	१८	२	च	प्र	१६	३१	२-४८ दिन मकर में चन्द्र । संकट चतुर्थी । सोम्यः ।
१६	२५	१७	७	शुक्र	श्र	प्र	१६	२६	पं	प्र	१८	११	घोम्यः ।
१८	२६	१८	८	शनि	घं	प्र	२२	६	ख	प्र	२०	७	४-२७ दिन कुम्भ में चन्द्र श्री पंचक आश्विन । प्रवर्धः ।
१७	२७	१९	९	रवि	श	प्र	२४	३४	स	प्र	२२	१६	क्षयः ।
१६	२८	२०	१०	सोम	श	दि	१	२८	अ	प्र	२४	३२	दिन अधिक ११-३३ दिन मिथुन में बुध । १-२७ रात मोन में *
१५	२९	२१	११	मौम	पू०	दि	६	२६	अ	दि	०	५६	काण्डः ।
१५	३०	२२	१२	बुध	उ०	दि	१२	१०	न	दि	५	६	श्रांतक गण्डान्त । मंत्रम्
१४	३१	२३	१३	गुरु	रे	दि	१८	२७	व	दि	६	४६	१२-४६ दिन मेघ में चन्द्र श्री पंचक समाप्त । ६-६ प्रातः मे ७-२७०
१३	३२	२४	१४	शुक्र	म	दि	२४	५६	ए	दि	१४	४७	शुक्र मास । योगिनी एकादशी । ५-३ प्रातः से मासान्त । वज्रम् ।
१२	२	२५	१५	शनि	मर	दि	३१	८	द्वा	दि	१६	३३	१२-२६ रात वृष में चन्द्र । ५-३ प्रातः मिथुन में सूर्य । मुहूर्त १५०
११	३	२६	१६	रवि	कु	प्र	१	७	त्रौ	दि	२३	४१	घोम्यः ।
१०	४	२७	१७	सोम	रो	प्र	५	४८	चं	दि	२६	५८	४-१० चन्द्र प्रसन्न । प्रवर्धः ।
९	५	२८	१८	मौम	म	प्र	६	२३	अं	दि	२६	१०	१०-४२ दिन मिथुन में चन्द्र । क्षयः ।

आषाढ :- प्रतिपद पहले दिन । तृतीया मे अष्टमी तक अरने दिन । नवमी मे अमावसी तक पहले दिन ।

अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद पहले दिन । तृतीया मे अष्टमी तक अरने दिन । नवमी मे द्वादशी तक पहले दिन । त्रयोदशी से अमावसी तक

यात्रा मुहूर्तः :- ४ जून पूर्व दक्षिण । ५, उ० विना । ६ पूर्व पश्चिम । ७, पश्चिम विना ८, पू० विना, ४-२७ दिन स दक्षिण यात्रा निषेध । ९, पू० उत्तर । १०, पू० उ० । ११, पू० यात्रा । १२, पूर्व पश्चिम । १३ पूर्व पश्चिम । १७, पूर्व विना यात्रा ।

मिथुन
बुध

सप्त० सं० ५०६१ । आषाढ शुक्लपक्ष । मिथुन में सूर्य, भौम, बुध । मकर

में बृहस्पति, मेघ में शुक्र, राहु । तुला में चक्री शनि केतु । (ग्रहसंचार वजे और मिन्टों में)

राघ	हार	हिज्र	जून	वार	नक्षत्र	डघो पल	तिथि	घड़ी पल	१६ जून से २ जुलाई तक (ग्रीष्म ऋतु)
८	६	२६	१९	बुध	आ प्र	११ ४६	प्र दि ३० ८	चन्द्रदर्शन । गजः ।	
७	७	शवा	२०	गुरु	पुन प्र	१२ ४६	द्वि दि २६ ४६	६-४१ शां कर्क में चन्द्र । ३-१० दिन दक्षिणायन । मिट्टः । शवाल ।	
६	८	२	२१	शुक्र	ति प्र	१२ ४५	तृ दि २८ १०	उन्मूलम् ।	मानसम् ।
१०	९	३	२२	शनि	प्र. प्र	११ ३२	च दि २५ २६	१२-१५ रात सिंह में चन्द्र । ६-२३ शां मे गण्डान्त । बुध उदय ।	
११	१०	४	२३	रवि	म प्र	६ २१	पं दि २१ ३७	६-२ प्रातः तक गण्डान्त । कुमार पण्ठी व्रत । मुद्गार्गम् ।	
११	११	५	२४	मोम	पू प्र	६ २७	ष दि १७ ७	३-५१ रात कन्या में चन्द्र । ध्वजः ।	
१२	१२	६	२५	मोम	उ प्र	२ ५८	स दि ११ ५०	आषाढ सप्तमी । प्रजापत्यः ।	
१३	१३	७	२६	बुध	ह दि	३४ ४०	अ दि ६ ६	आषाढ अष्टमी । मानन्दः ।	तुला में चन्द्र कर्क में बुध
१४	१४	८	२७	गुरु	चि दि	३० ३३	न दि ० ६	न्यहः । दिन कम । आषाढ नवमी, शारिका जयंती । ६-२६ प्रातः	
१५	१५	९	२८	शुक्र	स्वा दि	२६ २६	ए प्र १२ १८	देवशयनी एकादशी । मुपलम् ।	यात्रा । धूलम् । हरिस्वाय,
१६	१६	१०	२९	शनि	वि दि	२२ ३१	द्वा प्र ६ ३६	१२-२३ दिन वृष में शुक्र । ८-४६ दिन वृश्चिक में चन्द्र । लुकमवन	
१७	१७	११	३०	रवि	मनू दि	१६ ५	त्रो प्र १ ५७	मृत्युः । स्त्रिय यात्रा । ६-८ प्रातः मे गण्डान्त ५-३६ दिन तक काव्यः ।	
१७	१८	१२	जुला	मोम	ज्ये दि	१६ १३	चं दि ३२ १०	११-५४ दिन धनु में चन्द्र और मून आरम्भ । जवाला चतुर्दशी	
१८	१९	१३	२	मोम	मू दि	१४ ४	पू दि २८ १६	व्यासपूजा । ११-१३ दिन तक मून । छत्रम् । छड़ी का पहला स्नान	

आष्ट :- प्रतिपद् से नवमी तक पहले दिन । एकादशी से चतुर्दशी तक अपने दिन । पूर्णिमा पहले दिन । मातृपण्डितोय
मध्याह्न :- प्रतिपद् से पण्ठी तक अपने दिन । सप्तमी से नवमी तक पहले दिन एकादशी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- २० जून पूर्व पश्चिम यात्रा । २१, पू० दक्षिण । २४, पू० विना । २६, उ० विना । ३०, पू० उत्तर । १ जुलाई
५० विना । २, पू० दक्षिण यात्रा ।

वि० सं० २०४२ । श्रावण कृष्णपक्ष । मिथुन में सूर्य, भौम । कर्क में बुध

मकर में बृहस्पति । वृष में शुक्र । तुला में वक्री शनि, केतु । मेष में राहु ।

राघे हार शवा जुला वायु नक्षत्र घड़ी पल			तिथि घड़ी पल			३ जुलाई से १७ जुलाई तक (ग्रीष्म ऋतु) दक्षिणावर्ण			
१२ आर्द्रा	१४	२० १४	३	बुध	पू० दि	१३ ०	प्र दि	२५ २६	४-३३दिन मकर में चन्द्र । श्रीवत्सः ।
	२०	२१ १५	४	शुक्र	उ० दि	१२ ४७	द्वि दि	२३ ४५	सौम्यः ।
	२१	२२ १६	५	शुक्र	श्र दि	१३ ५४	तृ दि	२३ १५	११-२२ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । संकट चतुर्थी ।
	२२	२३ १७	६	शनि	घं दि	१६ १५	च दि	२४ २	७-६ प्रान् आर्द्रा में सूर्य का निर्गम यानी आर्द्रा समाप्त । प्रवर्धः ।
	२३	२४ १८	७	रवि	श दि	१६ ४६	पं दि	२६ ११	नगपंचमी, पांजय यात्रा विष्णु । चरः ।
	२३	२५ १९	८	सोम	पू० दि	२४ ३१	ष दि	२६ ११	८-४६दिन मीन में चन्द्र । गजः ।
	२४	२६ २०	९	सोम	उ० दि	३० ४	स दि	३३ १३	सिद्धः । २-६ रात तक । उन्मूलनम् ।
	२५	२७ २१	१०	बुध	रे प्र	१ ७	श्र प्र	२-४५	७-५६शां मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त, १-२० दिन से गण्डान् ।
	२६	२८ २२	११	शुक्र	अ प्र	७ ३७	न प्र	७ ४०	मानसम् ।
	२७	२९ २३	१२	शुक्र	मर प्र	१३ ५३	व प्र	१२ ३१	मुद्गारम् ।
संक्रान्ति	२८	३० २४	१३	शनि	कु प्र	१६ ४३	ए प्र	१६ ४२	१०-४६दिन वृष में चन्द्र । कमला एकादशी बाल यात्रा । वज्रः ।
	२९	३१ २५	१४	रवि	रो प्र	२४ ३४	द्वा प्र	२० ३	सूर्यमास । प्रजापत्यः ।
	२९	३२ २६	१५	सोम	मृ प्र	२४ ५८	त्री प्र	२२ १६	मिथुन में चन्द्र ६-१० शां से । ८-१३ रात मे यामांत । आनन्दः ।
	३०	आव २७	१६	सोम	मृ दि	३ २४	च प्र	२३ १८	८-१३ रात कर्क में सूर्य मुहूर्त १५ दरवाई संक्रान्ति व्रत । क्षयः ।
	३१	२ २८	१७	बुध	आ दि	६ ५२	अ प्र	२३ ७	४-४५ रात से भानुमास आरम्भ । २-२५ रात कर्क में चन्द्र ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से सप्तमी तक पढ़ने दिन । अष्टमी से अमावसी तक अग्ने दिन ।

माध्याह्नः - प्रतिपद् से अमावसी तक अग्ने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ३ जुलाई पूर्व पश्चिम । ४, पू० पश्चिम । ५, पश्चिम विना । ६ पू० उत्तर । ७, पू० उ० । ८, उ० पश्चिम । ९, पूर्व यात्रा । १०, पू० यात्रा । ११, पूर्व पश्चिम । १४, पूर्व उ० यात्रा ।

ई० सं 1985 । अधिक भावरा शुक्लपक्ष । कर्क में सूर्य, भौम, बुध ।

मकर में बृहस्पति । वृष में शुक्र । तुला में वकी शनि, केतु मेघ में राहु (ग्रहसंचार बजे और मित्रों में)

राघं भाव हिज जुला वार नक्षत्र डघो पल तिथि घड़ो पल

(१८ जुलाई से ३१ जुला तक वर्षा ऋतु)

१२	३२	३	२६	१८	गुरु	पु	दि	७	२१	प्र	प्र	२१	३६	मिदः ।
ककं	३३	४	३०	१९	शुक्र	ति	दि	७	३०	द्वि	प	१६	१	१०-३ दिन कर्क में भौम । २-८ रात से गण्डान्न । चन्द्रदर्शन । उन्मूचम् ।
भौम	३४	५	३०	२०	शनि	म.	दि	६	३२	तृ	प्र	१५	२३	८-९ प्रातः सिंह में चन्द्र । १-५५ दिन तक गण्डान्त । मानसम् । जीकद
	३५	६	२	२१	रवि	म	दि	५	२५	च	प्र	१०	५४	मुद्गम् ।
	३५	७	३	२२	सोम	पू	दि	१	५३	पं	प्र	५	३३	११-५६ दिन कन्या में चन्द्र । घोष्यः ।
	३७	८	४	२३	भौम	ह	प्र	१६	५४	ष	प्र	०	४	कुमार पष्ठी । मोघ्यः ।
	३६	९	५	२४	बुध	चि	प्र	१५	४६	स	दि	२८	४७	२-३१ दिन तुला में चन्द्र । तुलसीदास जयंती । कालदण्डः ।
मिथुन	४१	१०	६	२५	गुरु	स्वा	प्र	११	३३	अ	दि	२२	३८	स्थिरः ।
शुक्र	४३	११	७	२६	शुक्र	वि	प्र	७	५०	न	दि	१६	३२	४-५६ दिन वृश्चिक में चन्द्र । ६-३५ दिन मिथुन में शुक्र । मातंगः ।
	४५	१२	८	२७	शनि	अनू	प्र	४	१८	व	दि	१०	४०	अमृतम् । १-५५ रात तक : काण्डः ।
	४७	१३	९	२८	रवि	ज्ये	प्र	१	२८	ए	दि	५	२३	७-५४ शां घनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । २-१२ दिन से गण्डान्त
	४६	१४	१०	२९	सोम	मू	दि	३३	२५	द्वा	दि	०	४१	पहः । दिन कम । अलापकः ।
	५१	१५	११	३०	भौम	प्रप	दि	३१	२६	चं	प्र	१६	२४	१२-० रात मकर में चन्द्र । मैत्रम् ।
	५६	१६	१२	३१	बुध	उष	दि	३२	५	पं	प्र	१७	४१	वज्रम् ।

आष्टः :- प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन । अष्टमी से द्वादशी तक पहले दिन । चतुर्दशी, पूर्णिमा अपने दिन ।

मध्याह्नः :- प्रतिपद् से नवमी तक अपने दिन । दशमी से द्वादशी तक पहले दिन । चतुर्दशी, पूर्णिमा अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्तः :- १८ जुलाई पूर्व पश्चिम । १६ पश्चिम बिना ८-३१ दिन तक । २१, पूर्व उत्तर । ७-४२ प्रातः से । २३, पूर्व दक्षिण २७, पू० बिना । २८, पू० उ० । ३१, पू० दक्षिण ।

सप्त० सं० ५०६१ । अधिक श्रावण कृष्णपक्ष । कर्कट में सूर्य, भौम, बुध

मकर में बृहस्पति । मिनथु में शुक्र । तुला में वक्री शनि । मेष में राहु ।

राशे	श्राव	हिज	मग	वार	नक्षत्र	घडी पल	तिथि	घडी पल	१ मगस्त मे १६ मगस्त तक (वर्षा ऋतु) दक्षिणावण
१२	५६	१७	१३	१	गुरु	श्र दि	३२ २२	प्र प्र	१७ १४ ध्वजाः ।
	८५	१८	१४	२	शुक्र	पं प्र	० २१	द्वि प्र	१७ ५६ ७-५८ प्रातः कुम्भ में चन्द्र ग्रीर पंचक आरम्भ । प्रजापत्यः ।
१३	०	१९	१५	३	शनि	श प्र	३ ४३	तृ प्र	२० ० आनन्दः ।
	२	२०	१६	४	रवि	पूम प्र	८ ११	च प्र	२३ ८ ४-७ दिन मीन में चन्द्र । संकट चतुर्थी । चरः ।
	४	२१	१७	५	मोम	उम प्र	१३ ३२	पं प्र	२६ ८ दिन अधिक । मुपलम् ।
	३	२२	१८	६	मोम	रं प्र	१६ ४१	पं दि	१ ५ ८-३१ रात से गण्डान्त । ३-११ रात मेष में
	८	२३	१९	७	बुध	म प्र	२६ १२	ष दि	५ ४४ ६-४७ दिन तक गण्डान्त मृत्युः ।
१०	२४	२०	८	८	गुरु	म प्र	२६ २०	स दि	१० ४० काम्यः ।
१३	२५	२१	९	९	शुक्र	म दि	६ १५	श्र दि	१५ २८ १-५५ दिन वृष में चन्द्र । मुद्गरम् ।
१४	२६	२२	१०	१०	शनि	कु दि	१२ ८	न दि	१६ ४२ ध्वजाः ।
१७	२७	२३	११	११	रवि	रो दि	१७ ६	व दि	२३ ६ १-३३ रात मिथुन में चन्द्र । प्रजापत्यः ।
१९	२८	२४	१२	१२	मोम	मृ दि	२१ १३	ए दि	२५ २५ आनन्दः ।
२१	२९	२५	१३	१३	मोम	आ दि	२४ ८	द्वा दि	२६ ३६ १०-७-५३ दिन से मासान्त । मृत्युः
२३	३०	२६	१४	१४	बुध	पुन दि	२५ ४७	त्रौ दि	२६ २५ १०-१ दिन कर्क में चन्द्र । मुपलम् ।
२५	३१	२७	१५	१५	गुरु	ति दि	२६ १२	चं दि	२५ १ ३-५२ दिन से चन्द्र मस्त । शूलम् ।
२७	३२	२८	१६	१६	शुक्र	प्र दि	२५ ३४	श्र दि	२२ ३४ ४-७ दिन सिंह में चन्द्र । १०-११ दिन से गण्डान्त, ६-५६ रात तक ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् मे पंचमी तक अपने दिन । पष्ठी मे अमावसी तक पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् मे पंचमी तक अपने दिन । पष्ठी मे अष्टमी तक पहले दिन । नवमी मे अमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १ मगस्त पू० पश्चिम यात्रा । २, उत्तर । ३, उपदिचिम । ४, उ० पू० । ५, उ० पश्चिम । ६, पू० यात्रा । ७, उत्तर विना । ११, पूर्व उ० । १२, पू० विना । १३, पू० दक्षिण । १४, उ० विना । १५, पू० पश्चिम ४-२१ दिन तक ।

मानुषाह समाप्त

वि० सं० २०४२ । श्रावण शुक्लपक्ष । सिंह में सूर्य । कर्क में भौम, बुध ।

मकर में बृहस्पति । मिथुन में शक्र । तुला में चक्र शनि केत । मेष में राहु ।

राष्ट्र माद्र हि. घग. वार नवत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल

(१७ अगस्त से ३० अगस्त तक (वर्षा ऋतु) (दक्षिणायण)

साक्रान्ति
१३

२६	११	२६	१७	शनि	म	दि	२३	४१	प्र	दि	१८	५०
३१	२	जि	१८	रवि	पू	दि	२१	२	द्वि	दि	१४	२३
३३	३	२	१९	सोम	उ	दि	१७	४८	तृ	दि	६	१६
३६	४	३	२०	मोम	ह	दि	१४	१	च	दि	३	३६
३८	५	४	२१	बुध	वि	दि	१०	०	प	प्र	१८	४७
४०	६	५	२२	गुरु	स्वा	दि	५	५०	स	प्र	१२	४७
४२	७	६	२३	शुक्र	वि	दि	१	३६	श्र	प्र	७	५
४५	८	७	२४	शनि	ज्ये	प्र	२२	२०	न	प्र	१	५२
४७	९	८	२५	रवि	मू	प्र	१६	५२	व	दि	२६	३६
५०	१०	९	२६	सोम	पू०	प्र	१८	१८	ए	दि	२५	४६
५२	११	१०	२७	मोम	उ०	प्र	१७	४०	द्वा	दि	२२	४७
५५	१२	११	२८	बुध	थ	प्र	१८	१५	श्री	दि	२०	५६
५८	१३	१२	२९	गुरु	धं	प्र	२०	६	च	दि	२०	२०
१४	०	१४	३०	शुक्र	श	प्र	२३	१०	प	दि	२१	१

७-५३ प्रातः सिंह में सूर्य मूर्धन ३० समुद्रीय संक्राति । काम्यः ।
२-२२ दिन कन्या में चन्द्र । छत्रम् । जिलहज ।
श्रीवत्सः ।
२०हः । दिन कम । १०-४६ रात तुला में चन्द्र । सोम्यः ।
१-३३ रात कर्क में शक्र । कुमार पष्ठी । कालदण्डः ।
१-० रात वृश्चिक में चन्द्र । तुलसीदास जयन्ती । स्थिरः ।
मातंगः । गण्डान्त । गजः ।
३-५६ रात धनु में चन्द्र और मून आरम्भ । १०-१४ रात से
६-४१ दिन तक गण्डान्त । २-५७ रात तक मूल । सिद्धः ।
पत्रिषा ११ । उन्मूलम् ।
८-१३ दिन मकर में चन्द्र । श्रावण १२, शुपयान यात्रा । मानसम् ।
मंत्रम् ।
२-३५ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । श्रीवत्सः ।
रक्षाबन्धन पुणिमा । अमरनाथ यात्रा । थजीवारा यात्रा । सोम्यः ।

श्राद्ध :- प्रतिपद से चतुर्थी तक पहले दिन । पक्षी मे दशमी तक अपने दिन । एकादशी से पूर्णिमा तक पहले दिन ।

माध्याह्न :- प्रतिपद द्वितीया अपने दिन । तृती० चतुर्थी पहले दिन । पष्ठी मे पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १८ अगस्त पू० उ० यात्रा । १९, पू० विना । २४, पू० विना । २५, पू० उ० । २६, पू० विना । २८, पू० पश्चिम । ३० पू० उत्तर यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१ । भाद्र कृष्णपक्ष । सिंह में सूर्य, बुध । कर्कट भौम,

शुक्र । मकरमें बृहस्पति । तुला में वक्रो शनि । मेष में राहु ।

राशि	माद्र हि.	अग	वार	नक्षत्र	घड़ी पल	तिथि	घड़ी पल	३१ अगस्त मे १४ मितंबर तक ((ब्यां ह्नु)) दक्षिणायण ।
सिंह १४	३ १५ १४	31	शनि	पूम प्र	२७ ५८	प्र दि	२२ ५७	११-२६ रात मीन में चन्द्र । कालदण्डः ।
मीम	५ १६ १५	सितं	रवि	उम प्र	२८ १०	द्वि दि	२६ ०	१-५५ दिन सिंह में बुध । १२-१८ रात सिंह में भौम। स्थिरः ।
बुध	८ १७ १६	2	सोम	उम दि	४ ३६	त दि	३० १	३-४५ रात से गण्डान्त । नवदन यात्रा । संकट चतुर्थी । मुसलम् ।
	१० १८ १७	3	भौम	रे दि	१० ३३	चं प्र	३ ३	१०-२३ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । शूलम् ।
	१३ १९ १८	4	बुध	प्र दि	१५ ५२	पं प्र	८ ७	मृत्युः ।
	१६ २० १९	5	शुक्र	मर दि	२३ १५	ष प्र	१३ ६	१०-१० रात बुध में चन्द्र । चन्दन पष्ठी । काम्यः ।
	१८ २१ २०	6	शुक्र	कु दि	२६ १४	स प्र	१७ २४	शीतला सप्तमी । छत्रम् ।
जन्माष्टमी	२१ २२ २१	7	शनि	रो प्र	३ १५	अ प्र	२१ ६	जन्माष्टमी एक । श्रीवत्सः । शनि, बृहस्पति मास । प्रमृतम् ।
	२४ २३ २२	8	रवि	मू प्र	७ ३६	न प्र	२३ २१	८-५६ प्रातः मिथुन में चन्द्र । सोम्यः ।
	२६ २४ २३	9	सोम	मा प्र	१० ५५	द प्र	२५ १	कालदण्डः ।
	२९ २५ २४	10	भौम	पुन प्र	१२ ५८	ए प्र	२५ ८	५-४० शां कर्क में चन्द्र । अज्ञा ११ । स्थिरः ।
	३१ २६ २५	11	बुध	ति प्र	१३ ४३	द्वा प्र	२३ ५०	गोवत्सा द्वादशी । मातंगः ।
	३४ २७ २६	12	शुक्र	अ. प	१३ १७	त्रौ प्र	२१ ३२	१२-० रात सिंह में चन्द्र । ६-५ शां से गण्डान्त । वृद्धिक में स्वचारी
	३६ २८ २७	13	शुक्र	म प्र	११ ४६	च प्र	१८ ८	५-३१ प्रातः तक गण्डान्त । १-५५ रात चन्द्रास्त । काण्डः ।
	३९ २९ २८	14	शनि	प प्र	६ २४	अ प्र	१३ ५४	४-७ रात कन्या में चन्द्र । बुध प्रस्त । दर्भमावसी । प्रजापकः ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से तृतीया तक पहलेदिन । चतुर्थी से अमावसी तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से अमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ३१ अगस्त उत्तर पश्चिम यात्रा । १ सितंबर पू० उ० । २, उ० पश्चिम । ३, पू० यात्रा । ७, पू० विना । ८, पूर्व उत्तर । १० पू० दक्षिण । ११ सितंबर उ० विना ।

ई० सं 1985 । भाद्र शुक्लपक्ष । सिंह में सूर्य, भौम, बुध, शुक्र । मकर

सिंह
शुक्र

में बृहस्पति । वृश्चिक में स्वचारी शनि । मेघ में राहु । तुला में केतु । (ग्रहसंचार बजे घोर मिटों में)

राशि भाद्र हिज्र सितंबर	नक्षत्र	डोरी पल	तिथि घड़ी पल	रात (१५ सितंबर से २८ सितंबर तक) शरद ऋतु दक्षिणायण ।
१४ ४१ ३० २६ १५ रवि उ प्र ६ २० प्र प्र ८ ५३ ३-३६ सिंह में शुक्र । मंत्रम् । करंकीर्थ । प्रवर्धः ।				
४४ ३१ ३० १६ सोम ह प्र २ ४५ द्वि प्र ३ २३ चन्द्रदशन । वज्रम् । संक्राति व्रत । हनुद । धर्वाक्षः ।				
संक्राति ४७ प्रमू मह १७ मोम चि दि २२ १३ तु दि २७ ५८ ६-३५ प्रातः तुला में चन्द्र । ८-३७ दिन कन्या में सूर्य मुहूर्त ३० पहाड़ी •				
४६ २ २ १८ बुध स्वा दि २५ ५ च दि २१ ५४ विनायक चतुर्थी । धौम्यः । मकरम् १४०६ द्विजरी ।				
५२ ३ ३ १९ गुरु वि दि २० ० पं दि १५ ५४ ६-१५ दिन वृश्चिक में चन्द्र । कुमार पण्डी व्रत । बराह पंचमी ।				
कन्या ५५ ४ ४ २० शुक्र मृत् दि १७ ११ ष दि १० ६ ६-३६ शां कन्या में बुध । क्षयः । * ५-२५ शां नक्ष ३-२ अगस्त्योदय *				
बुध ५७ ५ ५ २१ शनि ज्ये दि १३ ५० स दि ४ ५४ १२-० दिन धनु में चन्द्र प्रीत मूल आरम्भ । ६-१६ प्रातः में गण्डान *				
१५ ० ६ २२ रवि मू दि ११ ८ अ दि ० ६ २-२३ रात को दिन रात तुल्य । गंगाष्टमी । गुणी तथा माधुमात्युन यात्रा				
२ ७ ७ २३ सोम पूष दि ६ १६ व प्र २३ २६ ४-४ दिन मकर में चन्द्र । उन्मूलम् । * ब्रह्मसरोवर श्राद्ध । गजः				
४ ८ ८ २४ मोम उप दि ८ १६ ए प्र २१ ३६ नारायणी ११ । गौतमनाग यात्रा । मानसम् ।				
७ ९ ९ २५ बुध श्र दि ८ ४२ द्वा प्र २१ ११ १०-१२ रात कुम्भ में चन्द्र प्रीत पंचक आरम्भ । इन्द्र १२ । छत्रम् ।				
९ १० १० २६ गुरु शं दि १० ६ त्रि प्र २२ २ विनस्ता त्रयोदशी, व्ययबुध यात्रा (वेरीनाग) मैत्रम् ।				
१२ ११ ११ २७ शुक्र श दि १२ ५० चं प्र २४ १० अनन्तचतुर्दशी, अनन्तनाग यात्रा । मोम्यः ।				
१५ १२ १२ २८ शनि पूष दि १६ ४२ पू प्र २७ २६ ६-५० प्रातः मीन में चन्द्र । कालदण्डः । १०-५६ दिन तक मूल, सिद्धः				

श्राद्ध :- प्रतिपद् से तृतीया तक अपने दिन । चतुर्थी से अष्टमी तक पहले दिन । दशमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन । षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन । दशमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १५ सितंबर पूर्व उ० यात्रा । २०, पश्चिम विना । २१, पू० विना । २२ पू० उ० । २३, पूर्व विना । २४, पूर्व दक्षिण २५, उ० विना । २६, पू० पश्चिम । २७, पश्चिम विना । २८, पूर्व विना यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१ । आश्विन कृष्णपक्ष । कन्या में सूर्य, बुध । सिंह में

भौम । शुक्र । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में स्वचारी शनि । मेष में राहु । तुला में केतु ।

राघं	घा	हिज	सितं	वार	नक्षत्र	डघी	पल	तिथि	घड़ी	पल	२६ सितंबर से १४ अक्टूबर तक (शरद ऋतु) दक्षिणापण ।
१७	१३	१३	29	रवि	उम	दि	२१ ४१	प्र	प्र	३० ३४	पितृपक्ष आरम्भ । दिन अधिक । स्थिरः ।
२०	१४	१४	30	सोम	रे	दि	२७ २३	प्र	दि	० ५८	५-३३ नां मेष में चन्द्र ग्रीर पंचक समाप्त । मातंगः ।
२२	१५	१५	अक्टू	मोम	म	प्र	४ २६	दि	दि	५ ४४	अमृतम् । १-७ दिन तक गण्डान्त अमृतम् ।
२५	१६	१६	2	बुध	म	प्र	१० ५७	तु	दि	१० ५०	संकट चतुर्थी । काण्डः ।
२८	१७	१७	3	गुरु	कु	प्र	१७ ६	च	दि	१५ ४७	५-१६ प्रातः वृष में चन्द्र । प्रलापकः ।
३०	१८	१८	4	शुक्र	रो	प्र	२२ ३८	पं	दि	२० १६	मैत्रम् ।
३३	१९	१९	5	शनि	मृ	प्र	२७ १६	ष	दि	२३ ५३	साहिब सप्तमी । ४-२० दिन मियुन में चन्द्र । वज्रम् ।
३६	२०	२०	6	रवि	घा	प्र	३० ५०	स	दि	२६ २८	ध्वाक्षः ।
३८	२१	२१	7	सोम	पुं	प्र	३१ १६	अ	दि	२७ ५०	६-४७ प्रातः तुला में बुध । १-५० रात कर्क में चन्द्र । धौम्यः ।
४१	२२	२२	8	मोम	पुं	दि	१ ४७	न	दि	२७ ५४	स्थिरः ।
४४	२३	२३	9	बुध	ति	दि	२ ४४	द	दि	२६ ५२	१-५५ रात से गण्डान्त । मातंगः ।
४६	२४	२४	10	गुरु	म.	दि	२ ३२	ए	दि	२४ १४	८-२६ प्रातः कन्या में शुक्र । ७-४६ प्रातः सिंह में चन्द्र । इन्द्र ११ । ●
४९	२५	२५	11	शुक्र	म	दि	१ ६	द्वा	दि	२० ५३	उन्मूलम् ।
५२	२६	२६	12	शनि	उ	प्र	२७ ४१	त्रौ	दि	१६ ३५	१२-८ दिन कन्या में चन्द्र । शनि मास । सभी पितरों का आद्य दिवस ।
५४	२७	२७	13	रवि	ह	प्र	२४ १०	चं	दि	११ ३६	११-३१ दिन से चन्द्रास्त । पितृ प्रभावसी । मानसम् ।
५७	२८	२८	14	सोम	चि	प्र	२० २१	अ	दि	६ ७	२-१४ दिन तुला में चन्द्र । सोमामावसी । विजयेदवर यात्रा । मुद्गरम् ।

आद्य :- प्रतिपद् अपने दिन । द्वितीया से प्रभावसी तक पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् अपने दिन । द्वितीया से चतुर्थी तक पहले दिन । पंचमी से त्रयोदशी तक अपने दिन । चतुर्दशी, प्रभावसी पहले दिन ।

यात्रामुहूर्त :- २६ सितंबर उ० पू० यात्रा । ३०, उ० पश्चिम । १ अक्टू पू० दक्षिण । ४, पश्चिम विना । ५, पू० विना । ७, पूर्व विना । ८, पूर्व दक्षिण । १२, पू० विना । १३, पूर्व उत्तर यात्रा ।

ई० सं 1985 । आश्विन शुक्लपक्ष । कन्या में सूर्य, शुक्र । सिंह में

भोम । तुला में बुध, केतु । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । मेष में राहु । (पहलवार वजे और मिटों में)

राधे प्रभू. द्वि. प्रवृत्त वार नक्षत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल १५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक (अष्टमि शुद्ध)

१५	५६	२६	२६	१५	भोम	स्वा	प्र	२०	२१	प्र	दि	०	१६	नवदुर्गारम्भ । ज्यहः । दिन कम । स्वजः । चन्द्रदर्शन । मुसलम् ।
संक्रान्ति	२	३०	सफ	१६	बुध	वि	प्र	१२	१४	तु	प्र	२०	२४	५-२४ शां वृश्चिक में चन्द्र । ७-३३ रात में मामान्त । प्रजापत्यः ।
१६	५	कत	२	१७	गुरु	मनू	प्र	८	२६	च	प्र	१४	५०	७-३३ रात तुला में सूर्य मुहूर्त ३० समुद्रोप संक्रान्ति । आनन्दः ।
कन्या	७	२	३	१८	शुक्र	ज्ये	प्र	५	०	पं	प्र	६	४३	८-३ रात धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ । २-२५ दिन में गण्डान्त ।
भोम	१०	३	४	१९	शनि	मू	प्र	२	१४	ख	प्र	५	१४	१-१७ रात कन्या में भोम । कुमार घड़ी । ६-५६ शां तक मूल
	१३	४	५	२०	रवि	पूष	प्र	०	१८	स	प्र	१	३२	११-५७ रात मकर में चन्द्र । मूलम् ० १-४३ रात तक । चरः ।
	१५	५	६	२१	सोम	उष	दि	२६	४४	अ	दि	२६	४५	दुर्गाष्टमी । मृत्युः ।
	१८	६	७	२२	भोम	अ	दि	२६	४१	न	दि	२४	३०	महानवमी । बुध उदय । प्रलापकः ।
	२०	७	८	२३	बुध	घं	प्र	०	३३	द	दि	२४	६	५-४३ प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । दसेरा । मैत्रम् ।
	२३	८	९	२४	गुरु	श	प्र	३	४	ए	दि	२५	०	जया ११ । वज्रम् ।
वृश्चिक	२५	९	१०	२५	शुक्र	पूष	प्र	६	४८	द्वा	दि	२७	८	२-१६ मीन में चन्द्र दिन । ध्वांसः ।
बुध	२७	१०	११	२६	शनि	उम	प्र	११	३५	त्री	प्र	३	१५	७-३१ प्रातः वृश्चिक में बुध । घोषः । प्रवर्धः ।
	२९	११	१२	२७	रवि	रे	प्र	१७	११	चं	प्र	७	३३	६-० शां से गण्डान्त । १२-४६ रात मेष चन्द्र और पंचक समाप्त ।
	३१	१२	१३	२८	सोम	घ	प्र	२३	३०	पू	प्र	१२	३१	७-२६ प्रातः तक गण्डान्त । वाल्मीकी जयंती । चन्द्रग्रहण । क्षयः ।

आष्ट :- प्रतिपद् पहले दिन । तृतीया में षष्ठमी तक अपने दिन । नवमी से द्वादशी तक पहले दिन । त्रयोदशी से पूर्णिमा तक अपने मध्यरात्रि :- प्रतिपद् पहले दिन । तृतीया से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- १८ अक्टूबर पश्चिम बिना यात्रा । १९, पूर्व बिना । २०, पू० उ० । २१, पू० बिना । २२ पूर्व दक्षिण । २३, पू० पश्चिम । २४, पूर्व पश्चिम । २५, पू० उ० । २६, उ० पश्चिम । २७, पू० उत्तर यात्रा । २८, पू० बिना यात्रा ।

वि० सं० २०४२ । कार्तिक कृष्णपक्ष । तुला में सूर्य, केतु । कन्या में भौम,

पुष्य । मकर में बुधस्पति । वृश्चिक में बुध शनि । मेष में राहु । (२६ अक्टूबर से १२ नवम्बर तक शरद ऋतु) दक्षिणायण

राश कत	दिन	ग्रह	वार	नक्षत्र	घड़ी पल	तिथि	घड़ी पल	
३४	१३	१४	29	भौम	मर प्र	३० ३	प्र प्र	१७ ४८
३६	१४	१५	30	बुध	कृ प्र	३३ १२	द्वि प	२२ ५८
३८	१५	१६	31	गुरु	कृ दि	३ ६	तृ प्र	२७ ३४
४०	१६	१७		नव	शुक्र रो	८ ४७	च प्र	३१ १२
४२	१७	१८	2	शनि	मृ दि	१३ ३१	प प्र	३३ २४
४४	१८	१९	3	रवि	आ दि	१६ १४	प दि	० ३४
४७	१९	२०	4	सोम	पुन दि	१९ ४६	प दि	१ ५७
४९	२०	२१	5	भौम	ति दि	२१ ०	स दि	२ ५
५१	२१	२२	6	बुध	प्र दि	२१ १	अ दि	० ५७
५४	२२	२३	7	गुरु	म दि	१९ ५६	द प्र	२६ १
५६	२३	२४	8	शुक्र	पू दि	१७ ४६	ए प्र	२४ ५१
५८	२४	२५	9	शनि	उ दि	१५ ४	हा प्र	२० ३
१७ ०	२५	२६	10	रवि	ह दि	११ ३८	श्री प्र	१४ ४०
१ २	२६	२७	11	सोम	चि दि	७ ४७	च प्र	८ ५४
दीपमाला ५	२७	२८	12	बुध	स्वा दि	३ ३६	अ प्र	३ ४

मङ्गलः । ● दिवस । महावीर जयन्ती ध्वजः ।

१२-३२ दिन वृष में चन्द्र । सिद्धः ।

मलापकः ।

११-४३ रात मिथुन में चन्द्र । संकट चतुर्थी । मंत्रम् ।

दिन प्रथमक । वसम् ।

शनि प्रस्त । ध्वजः ।

६-८ दिन कर्क में चन्द्र । ४-४२ दिन तुला में शुक्र । घोष्यः ।

प्रक्षयः ।

३-३६ दिन सिंह में चन्द्र । ६-४२ दिन से गण्डान्तर्गते । दिन कम ।

४-३६ रात तर्क

गङ्गः ।

८-११ रात कन्या में चन्द्र । रमा एकादशी । सिद्धः ।

गोत्सा पूजा । उन्मूलनम् ।

११-१३ रात तुला में चन्द्र । मानसम् ।

६-१५ रात चन्द्र ग्रसन । चन्द्र मास । मुद्गरम् ।

१-३४ रात वृश्चिक में चन्द्र । दीपमाला । महर्षि दयानन्द निर्वाण ●

श्राद्धः- प्रतिपद से पंचमी तक अपने दिन । पष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन । दशमी से प्रमावती तक अपने दिन ।

मध्याह्नः- प्रतिपद से पंचमी तक अपने दिन । षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन । दशमी से प्रमावती तक अपने दिन ।

यात्रामुहूर्तः- ३१ अक्टूबर पू० पश्चिम यात्रा । १ नवंबर पश्चिम विना । ३, १-४३ दिन में उत्तर पूर्व । ४, पू० विना । ५, ३-३६ दिन तक पूर्व दक्षिण । ७, ३-१४ दिन से पू० पश्चिम । ८, पश्चिम विना । ९, पू० विना । १० नवंबर उ० पश्चिम यात्रा ।

ई० सं १९८५ । कार्तिक शुक्लपक्ष । तुला में सूर्य, शुक्र, केतु । मकर में

बृहस्पति । वृश्चिक में बुध, शनि । मेष में राहु । कन्या में भौम

(ग्रहसंचार वजे प्रारंभ में)

(१३ नवंबर से २७ नवम्बर तक हेमन्त ऋतु) दक्षिणायण

राशि	कत	हिज्र नव	वार	नक्षत्र	घड़ी पल	तिथि	घड़ी पल	
७	२८	२६	१३	बुध	प्रतू प्र	२६ ४८	प्र दि २३ ३	गोवर्धन पूजा । पञ्चकुट । मोक्षः । ७ बाल दिवस । चन्द्रदर्शन । कालदण्डः
१७	६	३०	१४	गुरु	ज्ये प्र	२६ १०	त्रि दि १७ २८	४-५ रात धनु में चन्द्र प्रारंभ । १०-२८ रात में गण्डान्त । ७
११	३०	२०	१५	शुक्र	मू प्र	२३ १५	तु दि १२ २२	६-५१ दिन गण्डान्त । ५-१५ शां में मामान्त । २-५५ रात तक मूल स्थिरः
संक्रांति	मग	२	१६	शनि	पू० प्र	२२ ३२	च दि ७ ५३	५-१७ शा वृश्चिक में सूर्य मुहूर्त ३० दरघाई । संक्राति व्रत । मातंगः ।
१६	२	३	१७	रवि	उ० प्र	१६ ४४	पं दि ४ १०	कुमार पण्डी । ७-५४ प्रातः मकर में चन्द्र । अमृतम् ।
१८	३	४	१८	सोम	श्र प्र	१६ २६	ष दि १ २८	अवहः । मिदः । उन्मूलम् ।
२०	४	५	१९	भौम	घं प्र	२० ३२	श्र प्र ३४ १६	१-५८ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । गावान् अष्टमी ।
२२	५	६	२०	बुध	श प्र	२२ ४४	न प्र ३४ ४४	दिन अधिक । मत्पयुग जन्म । मानमम् ।
२५	७	७	२१	गुरु	पू० प्र	२६ १८	न दि ० ३८	६-४५ रात मीन में चन्द्र । मुद्गरम् । स्थिरः ।
२६	७	८	२२	शुक्र	उ० प्र	३२ २७	ब दि ३ २	ध्वजः ।
२७	८	९	२३	शनि	रे प्र	३४ ५४	ए दि ६ ३०	हरिबोधिनी एकादशी । १-२६ रात में गण्डान्त । प्रज्ञापत्यः ।
२८	९	१०	२४	रवि	रे दि	१ २	द्वा दि १० ४४	८-४ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । शिवस्वाय । प्रवर्धः
२९	१०	११	२५	सोम	प्र दि	७ ३५	त्रो दि १५ ४६	सयः । १-३६ दिन तक गण्डान्त ।
३०	११	१२	२६	भौम	म दि	१४ ०	चं दि २१ २	७-४३ शां वृष में चन्द्र । गजः ।
३१	१२	१३	२७	बुध	कृ दि	२० १६	पू प्र १ १५	श्री गुरुनानक जयन्ती । मिदः * पहले दिन । त्रयादशी से पूर्णिमा अपने दिन

आष्ट :- प्रतिपद से पण्डी तक पहले दिन । अष्टमी, नवमी अपने दिन । दशमी से चतुर्दशी तक पहले दिन । पूर्णिमा अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद से तृतीया तक अपने दिन । चतुर्थी से पण्डी तक पहले दिन । अष्टमी, नवमी अपने दिन । दशमी से द्वादशी तक *

यात्रा मुहूर्त :- १३ नवंबर उ० बिना यात्रा । १४, पू० पश्चिम । १७, पू० उत्तर १८, पू० बिना । १९, पू० यात्रा । २०, पू० पश्चिम २१, पू० पश्चिम । २२, पू० उत्तर । २३, उ० पश्चिम । २४, उ० पूर्व । २५, पू० बिना १०-३२ तक ।

वि० सं० २०४२ । मार्ग कृष्णपक्ष । वृश्चिक में सूर्य, बुध, शुक्र, शनि ।

कन्या में भौम । मकर में बृहस्पति । मेष में राहु । तुला में केतु । (२८ नव में ११ दस तक (हेमन्त ऋतु)

वृश्चिक
शुक्र १७

राश	मग	हि.	नव	वार	नक्षत्र	पडो पल	तिथि	पडो पल	
३१	१३	१४	२८	गुरु	रो	प्र	१ ११	प्र प्र	५ ५१
३२	१४	१५	२९	शुक्र	मृ	प्र	६ १७	दि प्र	६ ३६
३३	१५	१६	३०	शनि	आ	प्र	१० १७	तु प्र	१२ २१
३४	१६	१७	३१	रवि	पुन	प्र	१३ १२	ख प्र	१३ ४६
३५	१७	१८	१	सोम	ति	प्र	१४ ४७	पं प्र	१३ ४७
३६	१८	१९	२	भौम	अ.	प्र	१५ ०	ष प्र	१२ ४६
३७	१९	२०	३	बुध	म	प्र	१४ २०	स प्र	१० २८
३८	२०	२१	४	गुरु	पू	प्र	१२ ३१	अ प्र	७ ६
३९	२१	२२	५	शुक्र	उ	प्र	६ ५३	न प्र	२ ५३
४०	२२	२३	६	शनि	ह	प्र	६ ३८	व दि	२२ ५१
४१	२३	२४	७	रवि	चि	प्र	२ ५२	ए दि	१७ १६
४२	२४	२५	८	सोम	स्व	वि	२३ २६	द्वा दि	११ ३२
४३	२५	२६	९	भौम	वि	दि	१६ २५	त्रो दि	५ ४०
४४	२६	२७	१०	बुध	अनू	दि	१५ २०	अ प्र	२६ ४६

तुला भौम

२ दिन वृश्चिक में शुक्र । उन्मूलनम् ।
७-१ प्रातः मिथुन में चन्द्र । मानसम् ।
मुद्गरम् ।
४-२५ दिन कर्क में चन्द्र । संकट चतुर्थी । ध्वजः ।
प्रजापत्यः ।
११-३३ रात सिंह में चन्द्र । ५-३५ शी से गण्डान्त । आनन्दः ।
५-३३ प्रातः तक गण्डान्त । आनन्दः ।
४-१३ रात कन्या में चन्द्र । मुमलम् ।
शूलम् । ७-२० प्रातः तुला में चन्द्र ।
मृत्युः । ४-४३ दिन तुला में भौम । उत्पन्ना ११ । काम्यः । १०
शनि उदय । छत्रम् ।
६-४७ दिन वृश्चिक में चन्द्र । षष्ठः । श्रीवत्सः ।
बुध मास । सोम्यः ।

आद्यः- प्रतिपद से दशमी तक अपने दिन । एकादशी, द्वादशी त्रयोदशी पहले दिन । अमावसी अपने दिन ।
अध्याह्नः- प्रतिपद से द्वादशी तक अपने दिन त्रयोदशी पहले दिन । अमावसी अपने दिन ।
यात्रा मुहूर्तः- २८ नवंबर पूर्व पश्चिम यात्रा । २६, पश्चिम विना । १ दिसम्बर पू० उ० । २, पू० विना । ५, पू० पश्चिम ।
६, पश्चिम विना । ७, पूर्व विना यात्रा ।

सप्त० सं० ५०६१ । मार्ग शुक्लपक्ष । वृश्चिक में सूर्य, बुध, शुक्र, शनि ।

जुला में भीम, केतु मकर में बृहस्पति । मेष में राहु । (१२ दिसम्बर से २७ दिसम्बर तक हेमन्त ऋतु) दक्षिणावण ।

राघ	मण	हिण	दिस	वार	नक्षत्र	घड़ी पल	तिथि	घड़ी पल	
४४	२७	२८	१२	गुरु	ज्ये दि	११ ४१	प्र प्र	२४ ४१	६-३४ प्रातः मे ५-५४ शां तक गण्डान्त । १२-१८ दिन धनु में चन्द्र
४५	२८	२९	१३	शुक्र	मू वि	८ ३४	द्वि प	२० २१	चन्द्रदर्शन । स्थिरः श्रीर मूल प्रारम्भ । कालदण्डः ।
४६	२९	३०	१४	शनि	पुष वि	३ ५७	तृ प्र	१६ ५४	३-५३ दिन मकर में चन्द्र । मातंगः ।
४७	३०	३१	१५	रवि	उष वि	४ ३२	चतु प्र	१४ २३	५-१० प्रातः म मासान्त । प्रमत्तम् ।
संक्रान्तिः	२	३	१६	सोम	श्र वि	४ ०	प प्र	१३ ३	५-१० प्रातः धनु में सूर्य मूहत्तं ३० किनारी संक्रान्ति । ६-१५ रात
४८	३	४	१७	भीम	धं वि	४ ३६	ष प्र	१२ ५६	कुमार ६ । उन्मूलम् ।
५०	४	५	१८	बुध	ष वि	६ ३२	स प्र	१० १०	मानत्तम् । कुम्भ में चन्द्र श्री पंचक प्रारम्भ । सिद्धः ।
५१	५	६	१९	गुरु	पुम वि	६ ३६	श्र प्र	१६ ३८	५-६ प्रातः मोन में चन्द्र । मुद्गरम् ।
५२	६	७	२०	शुक्र	उम वि	१३ ५८	न प्र	२० ६	द्वयः । ६-५३ रात तक । ४-५७ दिन उत्तरावण । प्रजापत्यः ।
५२	७	८	२१	शनि	रे वि	१६ १	व प्र	२४ ५१	३-२१ दिन मेष में चन्द्र श्री पंचक समाप्त । ८-५७ दिन से गण्डान्त
५१	८	९	२२	रवि	म प्र	० ५५	ए प्र	२६ ५६	मोक्षदा ११ । सीता जयंती । गोता जयंती । आनन्दः ।
५०	९	१०	२३	सोम	मर प्र	७ १८	ठा प्र	३५ १७	धनु में शुक्र २-२८ दिन । २-५६ रात वृष में चन्द्र । चरः ।
५१	१०	११	२४	भीम	क प्र	१३ ४५	त्रो प्र	३५ ३८	दिग मधिक, मुपलम् ।
५१	११	१२	२५	बुध	रो प्र	१६ ४५	त्रो दि	४ ४८	६-२० शां शुक्रास्त । क्रिस्मसडे । गुलन् ।
५८	१२	१३	२६	गुरु	मू प्र	२४ ५७	चं दि	६ १८	२-१८ दिन मिथुन में चन्द्र । दत्तात्रेय जयंती । मृत्युः ।
५७	१३	१४	२७	शुक्र	षा प्र	२६ ६	पुं दि	१३ ५	काश्यः ।

आष्ट :- प्रतिपद् से त्रयोदशी तक मपने दिन । चतुर्दशी, पूर्णिमा पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से त्रयोदशी तक मपने दिन । चतुर्दशी, पूर्णिमा पहले दिन ।

यात्रा मूहत्तः- १२ दिसम्बर पूर्व पश्चिम । १३, पश्चिम विना । १६, पू० विना । १७, पू० यात्रा । १८, पूर्व पश्चिम । १९, पू० पश्चिम । २०, पश्चिम विना । २१, उ० पश्चिम । २२, पूर्व उ० । २५, पू० पश्चिम । २६, पू० पश्चिम ।

वि० सं० २०४२ । पौष कृष्णपक्ष । धनु में सूर्य, शुक्र । तुला में भौम, केतु ।

मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में बुध, शनि । मेष में राह ।

२८ दिसम्बर से १० जनवरी तक (हेमन्त ऋतु)

राशे पीप हि. दिस वार नक्षत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल

(ग्रहसंचार वजे घोर मिन्टों में)

१७	४६	१४	१५	28	शनि	पुं	प्र	३२	१६	प्र	दि	१५	४०	११-४ रात कर्क में चन्द्र । मातृका पूजा । मुजहर तहर । वज्रम् ।
	४५	१५	१६	29	रवि	ति	प्र	३४	८	द्वि	दि	१७	१०	श्रीवत्सम् ।
	४४	१६	१७	30	सोम	म.	प्र	३४	४२	तु	दि	१७	५	१-१८ रात से गण्डान्त । सांकट चतुर्थी । मोघ्यः ।
	४३	१७	१८	31	भौम	म	प्र	३४	५१	च	दि	१५	५३	१-१५ दिन तक गण्डान्त । ७-१७ प्रातः सिंह में चन्द्र । कालदण्डः ।
धनु	४२	१८	१९	जन	बुध	पू	प्र	३२	३३	पं	दि	१३	२६	जनवरी 1986 ई० । स्थिरः ।
	४१	१९	२०	2	गुरु	उ	प्र	३०	५	प	दि	१०	५	१२-१२ दिन कन्या में चन्द्र । धनु में बुध ७-५२ शां । मातंगः ।
	४०	२०	२१	3	शुक्र	ह	प्र	२६	५३	स	दि	५	५०	अमृतम् ।
	३९	२१	२२	4	शनि	चि	प्र	२३	१२	अ	दि	१	०	३-२८ दिन तुला में चन्द्र । ज्यहः । महाकाली जयंती । काण्डः ।
बुध	३८	२२	२३	5	रवि	स्वा	प्र	१९	१४	व	प्र	२५	६	प्रान्तेश्वर भैरव जयंती । अलापकः ।
	३७	२३	२४	6	सोम	वि	प्र	१५	४	ए	प्र	१९	१६	५-५३ शां वृश्चिक में चन्द्र । सफला ११ । मंत्रम् ।
	३६	२४	२५	7	भौम	अनु	प्र	११	०	द्वा	प	१३	२८	वज्रम् । रात तक गण्डान्त । ध्वक्षः ।
	३५	२५	२६	8	बुध	ज्ये	प्र	७	१५	त्रौ	प्र	८	१	८-२३ शां धनु में चन्द्र घोर मूल आरम्भ । १२-४० दिन से २-२१
	३४	२६	२७	9	गुरु	मू	प्र	४	०	चं	प्र	३	५	६-४२ रात चन्द्रास्त । ७-४ शां तक मूल । धौम्यः ।
	३३	२७	२८	10	शुक्र	पूष	प्र	१	२२	अ	दि	२३	४०	११-४६ रात में मकर में चन्द्र । शुक्र मास । यक्षमावसी । प्रवर्धः ।

श्राद्धः- प्रतिपद से अष्टमी तक पहले दिन । दशमी से अमावसी तक अपने दिन ।

माध्याह्नः- प्रतिपद से पंचमी तक अपने दिन । षष्ठी से अष्टमी तक पहले दिन । दशमी से अमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्तः- २८ दिसम्बर पूर्व बिना यात्रा । २९, पू० उ० । १ जनवरी उ० बिना । २, पू० वृश्चिक । ३, पश्चिम बिना । ७ पू० दक्षिण । ८, उ० बिना । ९, पूर्व पश्चिम यात्रा ।

वि० सं० २०४२ । पौष शुक्लपक्ष । धनु में सूर्य, बुध, शुक्र । तुला में भौम

केतु । मकर में बृहस्पति । वृश्चिक में शनि । मेष में राहु ।

राश	पौष	हि.	जन	वार	नक्षत्र	षष्ठी पल	तिथि	षष्ठी पल	(११ जनवरी से २५ जनवरी तक) (शिशिर ऋतु)	
	३३	२८	११	शनि	उष दि	२४ ३०	प्र दि	२० १६	सयः ।	
१७	३२	२६	३०	रवि	श्र दि	२३ ४४	द्वि दि	१७ ५३	मूलम् । चन्द्रदर्शन मकर मकर में शुक्र । मृत्युः ।	
मकर	३१	३०	जमी	१३	सोम	घं दि	२४ ७	तृ दि	१६ ३८	१-६ दिन से मामान्न । ५-१ प्रातः कुम्भ में चन्द्र और पंचक पारम्प ।
संक्रान्ति	माघ	२	१४	सोम	श प्र	० ४५	चं दि	१६ ४०	१-६ दिन मकर में सूर्य । पृष्ठतः १५ ममूदीय संक्रान्ति । ४ ३६ दिन मकर	
	२६	२	३	१५	बुध	पू म प्र	३ ३६	प दि	१८ ०	१२-३८ दिन मोन में चन्द्र । कुमार ६ प्रा । काम्यः ।
	२८	३	४	१६	गुरु	उम प्र	७ ३६	ष दि	२० ३६	वज्रम् । * बुध मस्त । श्री गुरु गोविन्द जयंती । श्रीवस्तः ।
	२७	४	५	१७	शुक्र	रे प्र	१२ ३८	स दि	२४ १३	१०-३५ रात मेघ में चन्द्र और पंचक समाप्त । ४-२ दिन से गण्डान्त *
मकर	२७	५	६	१८	शनि	घ प्र	१८ ३१	श्र प्र	३ ४३	५-२२ प्रातः तक गण्डान्त । १०-० रात मकर में बुध । सोम्यः ।
बुध	२६	६	७	१९	रवि	मर प्र	२४ ५२	न प्र	८ ५३	२-१० दिन कुम्भ में बृहस्पति । कालदण्डः ।
कुम्भ	२४	७	८	२०	सोम	क प्र	३१ १६	व प्र	१४ १२	१०-२ दिन वृश्च में चन्द्र । स्विः ।
गुरु	२१	८	९	२१	सोम	रो प्र	३४ ४१	ए प्र	१६ १६	पुत्रदा ११ । मातंगः ।
	१६	९	१०	२२	बुध	रो दि	२ ३६	हा प्र	२३ ४८	६-३६ रात मिथुन में चन्द्र । बुध द्वादशी । शूलम् ।
	१७	१०	११	२३	गुरु	मू दि	८ ८	श्री प्र	२६ ४४	मृत्युः ।
	१५	११	१२	२४	शुक्र	घा दि	१२ ४०	चं प्र	२६ ४५	काम्यः ।
	१२	१२	१३	२५	शनि	पुन दि	१६ ६	प प्र	३० ५५	७-३३ प्रातः कर्क में चन्द्र । मलापकः ।

श्राद्ध - प्रतिपद् से सप्तमी तक पहले दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

माघ्याह्न - प्रतिपद् से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ११ जनवरी पू० बिना यात्रा । १२, पू० उ० । १५, पू० पश्चिम । १६, पू० पश्चिम । १७, पूर्व उ० । २१, पूर्व दक्षिण । २२, उ० बिना । २३, पू० उत्तर । २५, पू० बिना यात्रा । २, पूर्व बिना

ई० सं 1986 । माघ कृष्णपक्ष । मकर में सूर्य, बुध, शुक्र । वृश्चिक

में भौम, शनि । कुम्भ में बृहस्पति । मेष में राहु । तुला में केतु ।

२६ जनवरी से ८ फरवरी तक (शिशिर ऋतु)

राधे माघ द्विज जन वार नक्षत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल

१०	१३	१४	२६	रवि	ति	दि	१८	१८	प्र	प्र	३०	४५	श्रीवत्सः । १६ दिन वृश्चिक में भौम । सोम्यः ।
८	१४	१५	२७	सोम	म्र	दि	१९	१३	द्वि	प्र	२९	२२	३-२ दिन सिंह में चन्द्र । ९-१ दिन से गण्डान्त ९-५ रात तक । २-४४
६	१५	१६	२८	मोम	म	दि	१८	५७	तृ	प्र	२६	४९	कालदण्डः ।
३	१६	१७	२९	बुध	पू	दि	१७	३९	च	प्र	२३	१७	८-११ रात कन्या में चन्द्र । संकटचतुर्थी । स्थिरः ।
१	१७	१८	३०	गुरु	उ	दि	१५	२४	पंच	प्र	१८	५७	महात्मा गान्धी श्राद्ध । मातंगः ।
५९	१८	१९	३१	शुक्र	ह	दि	१२	२७	ष	प्र	१३	५१	११-३५ रात तुला में चन्द्र । अमृतम् ।
५७	१९	२०	कव	शनि	चि	दि	८	५६	स	प्र	८	१७	साहिब सप्तमी । काण्डः ।
५४	२०	२१	२	रवि	स्वा	दि	५	४	म्र	प्र	२	२६	२-११ रात वृश्चिक में चन्द्र । अलापकः । बुध । ध्वजः ।
५२	२१	२२	३	सोम	वि	दि	१	०	न	दि	२२	४९	मंत्रम् ।
५०	२२	२३	४	मोम	ज्ये	प्र	२६	४८	व	दि	१७	८	१०-४८ रात से गण्डान्त । ४-२७ रात से धनु में चन्द्र और मूल आरम्भ
कुम्भ	४८	२३	५	बुध	मू	प्र	२३	२३	ए	दि	११	४५	२-१८ रात तक मूल । १०-११-दिन तक गण्डान्त । ३-१० रात कुम्भ में
बुध	४६	२४	६	गुरु	पू	प्र	२०	३२	द्वा	दि	६	५२	श्रीवत्सः । ★ शिव चतुर्दशी एक । बृहस्पति अस्त १२-२५ दिन *
गुरु	४३	२५	७	शुक्र	उ	प्र	१८	२६	श्री	दि	२	४०	१०-४९ प्रातः मकर में चन्द्र । ६-४६ प्रातः कुम्भ में शुक्र । ★
कुम्भ	४२	२६	८	शनि	श्र	प्र	१७	२८	म्र	प्र	३०	३२	द्वापरयुग जयन्ती । स्थिरः ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से नवमी तक अपने दिन । दशमी से त्रयोदशी तक पहले दिन । अमावसी अपने दिन । * अहः । आनन्दः ।

मध्य-ह्न :- प्रतिपद् से एकादशी तक अपने दिन । द्वादशी, त्रयोदशी पहले दिन । अमावसी अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- २६ जनवरी पू० उ० यात्रा । २९, उत्तर विना । ३०, पू० पश्चिम । ३१, पश्चिम विना । ४ फरवरी पू० दक्षिण ।

५, उत्तर विना । ६, पूर्व पश्चिम । ७, पश्चिम विना ।

सप्त० सं ५०६१ । साध शुक्लपक्ष । मकर में सूर्य । वृश्चिक में भौम,

शनि । कुम्भ में बुध बृहस्पति, ध्रुव । मेष में राहु तुला में केतु । ६ फरवरी से १४ फरवरी तक (शिशिर ऋतु) उत्तरायण

राध माघ हिज्र कर वार नक्षत्र घड़ी पल तिथि घड़ी पल (ग्रहसंचार वजे और मिनटों में) मातंगः ।

१६ संक्रांति १६ उदय -

३६	२७	२८	९	रवि	घं	प्र	१७	२२	प्र	२६	५	१२-४८ दिन कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । सूर्य सात । सूर्य वर्ष	
३७	२८	२९	१०	भौम	श	प्र	१८	४५	द्वि	प्र	२६	१३	चन्द्रदर्शन । प्रमत्तम् । काण्डः ।
३४	२९	ज्ये	११	भौम	पू	प्र	२१	२३	तृ	प्र	३०	३१	८-९ रात मोन में चन्द्र । ११-४७ रात में मातंग गौरी तृतीया ।
३५	३०	३१	१२	बुध	उग	प्र	२५	६	च	प्र	३३	४	११-४७ रात कुम्भ में सूर्य मूहत् ४५ दरवाई । त्रिपुरा चतुर्थी शुक्र उदय ०
३०	२	३	१३	गुरु	रे	प्र	२६	५७	व	दि	०	३	११-२० रात से गण्डान्त मेषम् ।
२८	३	४	१४	शुक्र	म	प्र	३२	५६	यं	दि	३	४६	५-५२ प्रातः मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । १२-२५ दिन तक गण्डान्त *
२५	४	५	१५	शनि	म	दि	२	४६	ष	दि	८	२६	सोम्यः । वसन्त पंचमी । वज्रम् ।
२३	५	६	१६	रवि	म	दि	८	५२	स	दि	१३	२५	५-१६ शां वृष में चन्द्र । मातंग जयती । कालदण्डः ।
२१	६	७	१७	भौम	कु	दि	१५	३२	अ	दि	१८	५६	भौम अष्टमी । कालदण्डः ।
१९	७	८	१८	भौम	रो	वि	२१	४८	न	दि	२४	०	४-५३ रात मिथुन में चन्द्र । मातंगः ।
१६	८	९	१९	बुध	मृ	प्र	०	१	व	प्र	०	५६	प्रमत्तम् । ०-४० दिन । दिन श्रविक संक्रांति । मलापकः ।
१४	९	१०	२०	गुरु	आ	प्र	४	४०	ए	प्र	४	१८	भौममीन एकादशी । काण्डः ।
११	१०	११	२१	शुक्र	पुं	प्र	६	४०	प्र	६	४०	३०	दिन कर्क में चन्द्र । मलापकः ।
८	११	१२	२२	शनि	ति	प्र	१०	४६	त्री	प	७	४२	मेषम् । यक्षिणी १४ । वज्रम् ।
५	१२	१३	२३	रवि	म	प्र	११	५४	च	प्र	७	२३	४-४१ रात सिंह में चन्द्र । ४-४१ दिन से ४-५४ रात तक गण्डान्त
३	१३	१४	२४	भौम	म	प्र	११	५०	धू	प्र	५	५०	कावर्णिमा । दत्तात्रेय जयंती । स्वाक्षः ।

आष्ट :- प्रतिपद् से चतुर्थी तक अपने दिन । पंचमी से नवमी तक पहले दिन । दशमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से चतुर्थी तक अपने दिन । पंचमी से सप्तमी तक पहले दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक अपने दिन ।

यात्रा मूहत् :- ६ जनवरी पू० विना । १०, उ० पश्चिम । १३, पूर्व पश्चिम । १४, पश्चिम विना । १८, पू० दक्षिण । १९, उ० विना २१, पश्चिम विना । २२, पू० विना यात्रा ।

ई० सं १९८६ । फाल्गुण कृष्णपक्ष । कृष्ण में सूर्य, बृहस्पति, शुक्र ।

वृश्चिक में भीम जनि । मीन में वष । मेष में राहु तुला में केतु ५ फवरी से १० मार्च तक शिबिर ऋतु उत्तरायण

राधे फाग हिन फर वार		नक्षत्र		घड़ी पल तिथि घड़ी पल										
१६	०	१४	१५	२५	मीन	पू	प्र	१०	२४	प्र	प्र	३	७	४-१२ रात कन्या में चन्द्र । धोध्यः ।
१५	५७	१५	१६	२६	बुध	उ	प्र	८	२६	द्वि	दि	२७	३१	११-४७ दिन मीन में बुध । प्रवर्धः ।
मीन	५४	१६	१७	२७	गुरु	ह	प्र	५	३४	तृ	दि	२३	५	संकट चतुर्थी । क्षयः ।
बुध	५२	१७	१८	२८	शुक्र	चि	प्र	२	४	च	दि	१८	२	७-१० दिन तुला में चन्द्र । चरः ।
	४६	१८	१९	माघ	शनि	स्वा	दि	२६	३१	पं	दि	१२	२१	सिद्धः ।
	४६	२६	२०	२	रवि	वि	दि	२२	३०	ष	दि	६	४७	१०-१३ दिन वृश्चिक में चन्द्र । उन्मूलम् ।
मीन	४४	२०	२१	३	सोम	मृ	दि	१८	२५	स	दि	०	५३	८-२४ रात मीन में शक्र । चहः । दिन कम । मानसम् ।
शुक्र	४१	२१	२२	४	गोम	ज्ये	दि	१४	३४	न	प्र	२१	६	१२-३६ दिन धनु में चन्द्र गौर मूल प्रारम्भ । ७-० प्रातः से ६-१३ शां०
	३८	२२	२३	५	बुध	मू	दि	११	८	व	प्र	१६	६	११-१३ दिन नक मूल । हवजः ।
	३६	२३	२४	६	गुरु	पू	दि	८	१६	ए	प्र	११	४६	३-४८ दिन मकर में चन्द्र । विजया एकादशी । प्रजापत्यः ।
ति	३३	२४	२५	७	शुक्र	उ	दि	६	८	द्वा	प्र	८	२०	प्रानन्दः ।
शिबिरा	२६	२५	२६	८	शनि	श्र	दि	४	५७	त्रो	प्र	५	५७	८-३३ रात कृष्ण में चन्द्र गौर पंचत प्रारम्भ । शिबिरात्रि वो क्षे
गुरु	२८	२६	२७	९	रवि	धं	दि	४	४८	चं	प्र	४	३८	शिव चतुदशी वो १२-६ रात बृहस्पति उदय । मार्तण्डः ।
अवध	२५	२७	२८	१०	सोम	श	दि	५	५३	अं	प्र	४	५२	३-८ रात मीन में चन्द्र । प्रमनम् ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् द्वितीया अपने दिन । तृतीयया से सप्तमी तक पहले दिन । नवमी से प्रमावसी तक अपने दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से पंचमी तक अपने दिन । पष्ठी सप्तमी पहले दिन । नवमी से प्रमावसी तक अपने दिन ।

यात्रा मुहूर्त - २५ फरवरी पू० दक्षिण । २६, उत्तर विना । २७, पू० पश्चिम । ३ मार्च पू० बिना । ४, पूर्व दक्षिण । ५, उ० बिना । ६, पू० पश्चिम । ७, पश्चिम बिना । ८, पू० उत्तर यात्रा ।

सप्त० सं ५०६१ । फाल्गुण शुक्लपक्ष । कुम्भ में सूर्य, बृहस्पति । वृश्चिक

में भौम, शनि । मीन में बुध, शुक्र । मेष में राहु । तुलामें केतु । २१ मार्च से २६ मार्च तक (वसन्त ऋतु) उत्तरायण

राश्य	फा	हिज	मार्च	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	(ग्रहसंचार वजे और मिटों में)
२२	२८	२६	११	मोम	पूष दि	८	१३	प्र	प्र	६ ७	भौम मास । प्रभूतम् ।
२०	२६	३०	१२	बुध	उम दि	११	४६	द्वि	प्र	८ ४७	चन्द्रदशन । प्रलापकः ।
१६	चैत्र	शाव	१३	शुक्र	रे दि	१६	२७	तृ	प्र	१२ १६	१-१२ दिन मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । ६-४१ प्रातः से
१४	२	२	१४	शुक्र	प्र दि	२२	१	च	प्र	१६ ४६	३-६ रात मोन में सूर्य ग्रहण १५ किनारी संक्रान्ति । वज्रम् । मोन
१२	३	३	१५	शनि	भर दि	२८	५३	पं	प्र	२१ ५३	१२-३१ रात बुध में चन्द्र । ध्वांसः ।
६	४	४	१६	रवि	कृ प्र	५	१	ख	प्र	२७ ४	कुमार पण्टी व्रत । धोम्यः ।
६	५	५	१७	सोम	रो प्र	११	६	स	प्र	३० १२	दिन ग्रहिक । प्रवर्धः । गण्डान्त ७-४१ सां तक मंत्रम् धालवरण ।
४	६	६	१८	मोम	मृ प्र	१७	८	स	दि	१ ४०	तेलाष्टमी, होलाष्टमी । १२-११ दिन मिथुन में चन्द्र । क्षयः ।
२	७	७	१९	बुध	मा प्र	२२	१	अ	दि	६ १	कुम्भमें वकी बुध ११-६ दिन से । बुधाष्टमी । गजः । मित्रः ।
४६	८	८	२०	शुक्र	पुन प्र	२५	५३	न	दि	६ २११	१०-३० राकको में चन्द्र । ६-५३ रात को दिन रात तुल्य । नवरोश ।
५५	९	९	२१	शुक्र	ति प्र	२८	३५	ब	दि	११ ३३	धनु में भौम । ८-१३ दिन मे । उन्मूलम् ।
५४	१०	१०	२२	शनि	म. दि	२६	४८	ए	दि	१२ ३०	१२-२४ रात से गण्डान्त । मानसम् ।
५१	११	११	२३	रवि	म. दि	०	१३	द्वा	दि	१२ ११	१२-३५ दिन तक गण्डान्त । ६-३२ प्रातः सिंह में चन्द्र । वज्रम् ।
४६	१२	१२	२४	सोम	म दि	०	३०	त्री	दि	१० ३६	ध्वांसः ।
४६	१३	१३	२५	मोम	उ प्र	२७	२३	चं	दि	७ ५५	१२-४ दिन-कन्या में चन्द्र । तुली । प्रजापत्यः ।
४३	१४	१४	२६	बुध	ह प्र	२४	३७	पू	दि	४ १२	न्यहः । प्रानन्दः ।

श्राद्ध :- प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक पहले दिन ।

मध्याह्न :- प्रतिपद् से सप्तमी तक अपने दिन । अष्टमी से पूर्णिमा तक पहले दिन ।

यात्रा मुहूर्त :- ११ मार्च पू० यात्रा । १२, पू० पश्चिम । १७, पू० विना । २०, पू० पश्चिम । २१, पश्चिम विना । २५, पू०

दक्षिण । २६, पश्चिम विना यात्रा ।

वि० सं० २०४२ । चैत्र कृष्णपक्ष । मीन में सूर्य । कुम्भ में बुध, बृहस्पति

घनु में भीम । वृश्चिक में शनि । मेष शक्र, राहु तुला में केतु (२७ मार्च से १६ अप्रैल तक) वसन्त ऋतु । उत्तरायण ।

मेघ शुक्र १४

राशि	चैत्र	दिन	माचं वार	नक्षत्र	घड़ी पल	तिथि	घड़ी पल	
४१	१४	१५	27	गुरु	चि प्र	२१ १५	द्वि प्र	२३ ५६
३८	१५	१६	28	शुक्र	स्वा प्र	१७ २६	तृ प्र	१८ १८
३५	१६	१७	29	शनि	वि प्र	१३ १६	चै प्र	१२ १६
३३	१७	१८	30	रवि	अनू प्र	९ ४	पंच प्र	६ १६
३०	१८	१९	31	सोम	ज्ये प्र	५ ५	षष्ठ प्र	० २२
२८	१९	२०	प्रप्र.	सोम	मू प्र	१ २७	सप्त दि	२५ ५६
२५	२०	२१	2	बुध	पू० दि	२६ ३०	अष्ट दि	२१ १
२२	२१	२२	3	गुरु	उ० दि	२७ ११	नव दि	१६ ४६
२०	२२	२३	4	शुक्र	अ दि	२५ ४४	दश दि	१३ २२
१७	२३	२४	5	शनि	घं दि	२५ २२	ए दि	१० ०
१४	२४	२५	6	रवि	श दि	२६ १०	द्वाद दि	९ ५०
१२	२५	२६	7	सोम	पू० दि	२८ १२	त्रयो दि	९ ५३
९	२६	२७	8	सोम	उ० दि	३१ ३०	चतु दि	११ १६
७	२७	२८	9	बुध	रे प्र	४ ८	अष्ट दि	१३ ५४

३४ दिन तुला में चन्द्र । ११-७ रात मेष में शुक्र । वरः ।

मुगलम ।

६-२३ रात वृश्चिक में चन्द्र । संकट चतुर्थी । शूलम् ।

मृत्युः । २-२२ रात तक । काम्यः ।

८-४४ रात घनु में चन्द्र और मूत्र आरम्भ । ३-८ दिन से गण्डान्त

७-१८ रात तक मूत्र । छत्रम् ।

११-४६ रात मकर में चन्द्र । श्रोत्रसः ।

सोम्यः ।

४-२३ रात कुम्भ में चन्द्र और पंचक आरम्भ । धीम्यः ।

पापमोचनी ११ । प्रवर्धः ।

क्षयः ।

११-१४ दिन मीन में चन्द्र । गडः ।

चैत्र चतुर्दशी । ८-२६ रात चन्द्रप्रस्त । तिष्ठः ।

उन्मूलम् ।

८-२६ रात मेष में चन्द्र और पंचक समाप्त । २-३ दिन से गण्डान्त

श्राद्ध :- द्वितीया से ७मी तक अपने दिन । अष्टमी से प्रमावसी तक पहले दिन ।

माध्याह्न :- द्वितीया से नवमी तक अपने दिन । दशमी से प्रमावसी तक पहले दिन ।

यात्रामुहूर्त :- ३० मार्च पू० उत्तर यात्रा । ३१ पू० विना । १ अप्रैल पू० दक्षिण । २, ३, पू० पश्चिम । ४, पश्चिम विना । ५, ६, पू० पश्चिम । ७, पूर्व यात्रा । ८, उत्तर पश्चिम । ९, पू० यात्रा ।

विष्णुः केशवः श्रीगुरुदेवः शिवाय नमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

[illegible]

અનુક્રમિક ૫૦૫૦ / વિશ્વવિદ્યાલય ૧૦૨૩ સીક્રીટ: ૦૭૦૧

5200 : 0043
 35, 38, 00

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

